Say "No" to Pass Books

RCScE राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद
स्कूल शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार
सत्यमेव जयते

पाठ्य पुस्तकों के अध्ययन के आधार पर

प्रश्न बैंक

Question Bank

कक्षा – 12

हिन्दी अनिवार्य

राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद्, जयपुर (राजस्थान)

संरक्षक

श्रीमान मदन दिलावर

कैबिनेट मंत्री, स्कूल शिक्षा, संस्कृत शिक्षा एवं पंचायती राज (राजस्थान सरकार)

संरक्षक

श्री नवीन जैन (आईएएस)

सचिव, स्कूल शिक्षा, भाषा एवं पुस्तकालय विभाग, राजस्थान सरकार, जयपुर

अविचल चतुर्वेदी (आईएएस)

राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त

राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद् जयपुर

श्री आशीष मोदी (आईएएस)

निदेशक, माध्यमिक शिक्षा

बीकानेर, राजस्थान

मुख्य मार्गदर्शक

डॉ. अनिल कुमार पालीवाल

अतिरिक्त राज्य परियोजना निदेशक

राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद् जयपुर

ज्योति ककवानी

अतिरिक्त राज्य परियोजना निदेशक

राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद् जयपुर

संयोजक एवं मार्गदर्शक

श्रीमती उर्मिला चौधरी

उपनिदेशक, गुणवत्ता एवं प्रशिक्षण

राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद् जयपुर

सहयोगकर्ता

रमेश चंद मान

सहायक निदेशक, राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद् जयपुर

लेखन

कैलाश चन्द सैनी

व्याख्याता, रा.उ.मा.वि. हीरा का बास, गोविन्दगढ, जयपुर (राज.)

हिन्दी अनिवार्य

आरोह पाठयपुस्तक (अंक–32)

पद्य खण्ड

1. हरिवंश राय बच्चन	1. आत्मपरिचय
	2. दिन जल्दी जन्दी ढलता है।
2. आलोक धन्वा	1. पतंग
3 कुँवर नारायण	1. कविता के बहाने
	2. बात सीधी थी पर
4 रघुवीर सहाय	1. कैमरे में बन्द अपाहिज
5. शमशेर बहादुर सिंह	1. उषा
6. सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'	1. बादल राग
7. तुलसीदास	1. कवितावली के पद
	2. लक्ष्मण मूर्च्छा और राम का विलाप
8. फिराक़ गोरखपुरी	1. रूबाइयां
9. उमाशंकर जोशी	1. छोटा मेरा खेत
	2. बगुलों के पंख
गद्य खण्ड	
10. महादेवी वर्मा	भक्तिन
11. जैनेन्द्र कुमार	बाजार दर्शन
12. धर्मवीर भारती	काले मेघा पानी दे
13. फणीश्वर नाथ रेणु	पहलवान की ढोलक
14. हजारी प्रसाद द्विवेदी	शिरीष के फूल
15. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर	(1) श्रम विभाजन और जाति–प्रथा (2) मेरी कल्पना का आदर्श समाज
वितान (अंक–12)	
17. मनोहर श्याम जोशी	सिल्वर वैडिंग
18. आनन्द यादव	जूझ
19. ओम थानवी	अतीत में दबे पाँव
20. विभिन्न माध्यमों के लिए लेखन (अभिव्यक्ति और माध्यम) (अंक–4)	
21. पठित गद्यांश (आरोह गद्य–खण्ड)	सप्रसंग व्याख्या
22. पठित पद्यांश (आरोह पद्य–खण्ड)	सप्रंसग व्याख्या
23. अपठित पद्यांश (अंक–6)	
24. अपठित गद्यांश (अंक–6)	
25 निबन्ध लेखन (अंक–5)	
26. पत्र एवं प्रारूप लेखन (अंक–4)	
27. आलेख / फीचर लेखन (अंक–3)	
28. व्यावहारिक व्याकरण (अंक–8)	
29. मॉडल प्रश्न पत्र–एक 30. मॉडल प्रश्न पत्र–दो	

1. हरिवंशराय बच्चन
(1) आत्म परिचय

बहुचयनात्मक प्रश्न–

1. कवि कैसे संसार को ठुकराता है?
   (अ) ईमानदार (ब) सत्यनिष्ठ (स) कर्मशील (द) वैभवशाली (द)

2. कवि के हृदय रूपी वीणा के तारो को किसने झंकृत कर दिया?
   (अ) ईश्वर ने (ब) प्रेयसी ने (स) पिता ने (द) मातृभूमि ने (ब)

3. कवि किसका भार लिए फिरता है?
   (अ) समाज का (ब) पापो का
   (स) सांसारिक उत्तरदायित्वों का (द) कोई नहीं (स)

4. प्रति–पग में अलंकार है।
   (अ) अनुप्रास (ब) यमक (स) रूपक (द) श्लेष (अ)

5. कवि बच्चन की आत्मकथा साहित्य की किस विधा में लिखी हुई है?
   (अ) गद्य (ब) पद्य (स) चम्पू (द) कोई नहीं (ब)

6. मैं और, और जग और, कहाँ का नाता पंक्ति में कौनसा अलंकार है?
   (अ) उपमा (ब) यमक (स) उत्प्रेक्षा (द) विभावना (ब)

7. हालावादी दर्शन के प्रणेता कौन है?
   (अ) जयशंकर प्रसाद (ब) हरिवंश राय बच्चन (स) प्रेमचन्द (द) महादेवी वर्मा (ब)

8. कवि हरिवंशराय बच्चन का जन्म कब हुआ?
   (अ) 1980 (ब) 1907 (स) 1918 (द) 1929 (ब)

9. निम्न में कौनसी काव्यकृति कवि बच्चन की नहीं है?
   (अ) निशा निमंत्रण (ब) मधु कलश (स) मधुशाला (द) अनामिका (द)

10. कवि की वाणी कैसी है?
   (अ) मृदुल (ब) कठोर (स) उग्र (द) शीतल (द)

11. कवि कैसा सन्देश लिए फिरता है?

(अ) सांत्वना का (ब) बलिदान का (स) मस्ती का (द) समर्पण का (स)

12. कवि स्वंय को दुनिया का एक क्या मानता है?

(अ) प्रेमी (ब) दीवाना (स) परवाना (द) रक्षक (ब)

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

1. ''कर यत्न मिटे सब, सत्य किसी ने जाना?" पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।
2. कवि ने स्वयं को दीवाना क्यों कहा है?
3. "जग पूछ रहा उनको" संसार किनको पूछ रहा है? और क्यों?
4. कवि ने संसार को अपूर्ण क्यों कहा है?
5. ''मैं और, और जग और, कहाँ का नाता" कवि अपने आप को इस संसार से क्यों नहीं जोड़ पाया है?

   अथवा

   कवि ने स्वंय को संसार से अलग क्यों माना है?
6. यौवन में उन्माद लिए घूमने से क्या तात्पर्य है?
7. कवि बच्चन के जग के प्रति दृष्टिकोण को स्पष्ट कीजिए।
8. "मैं प्रति पग से उस पृथ्वी को ठुकराता" कवि संसार को क्यों ठुकराता है?
9. "मैं, हाय, किसी की याद लिए फिरता हूँ" कवि के मन में किसकी याद है और इसका कवि पर क्या प्रभाव पड़ता है?
10. कवि ने "सांसो के दो तार" किसे कहा हैं? और क्यों?

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न–

1. "आत्म परिचय" कविता के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए।
2. "आत्म परिचय" कविता के आधार पर कवि हरिवंश राय बच्चन के व्यक्तित्व के विभिन्न पक्षों पर प्रकाश डालिए।
3. "आत्म परिचय" कविता में कवि ने अपने जीवन में किन–किन परस्पर विरोधी बातों का सामंजस्य बैठाने की बात कही है? स्पष्ट कीजिए।
4. "आत्म परिचय" कविता का मूल प्रतिपाद्य लिखिए।

कवि परिचय

1. कवि हरिवंश राय बच्चन का जीवन परिचय लिखिए।

(2) दिन जल्दी जल्दी ढलता है।

बहुचयनात्मक प्रश्न–

1. पंथी को रात कहाँ होने की संभावना है?

   (अ) पथ में (ब) घर में (स) वन में (द) कोई नही (अ)

2. दिन का पंथी किसे कहा गया है?

   (अ) चन्द्रमा को (ब) सूर्य को (स) तारों को (द) पेडों को (ब)

3. "दिन जल्दी जल्दी ढलता है" का क्या आशय है?

   (अ) जल्दी से सुबह होती (ब) जल्दी से शाम होती है

   (स) समय परिवर्तनशील है (द) कोई नहीं (स)

4. दिन ढलने के साथ ही बच्चे कहाँ से झांकने लगते हैं?

   (अ) खिड़की से (ब) छत से (स) नीड़ों से (द) दरवाजे से (स)

5. कवि के हृदय में कैसे भाव भरे हुए है?

   (अ) प्रसन्नता के (ब) जोश, उत्साह के (स) विह्वलता के (द) ईर्ष्या (स)

6. पथ में होने वाली रात की आशंका से कौन भयभीत रहता है?

   (अ) कारीगर (ब) प्रेमी (स) तपस्वी (द) पंथी (द)

7. "मुझसे मिलने को कौन विकल? गीत का यह प्रश्न कवि के हृदय में क्या भरता है?

   (अ) शिथिलता (ब) चचंलता (स) विह्वलता (द) उपर्युक्त सभी (स)

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

1. चिडियाँ के परो में चंचलता क्यों आती है?
2. बच्चे किस बात की आशा में नीड़ों से झांक रहे होंगे? कवि बच्चन की कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।
3. "दिन जल्दी जल्दी ढलता है" कविता का उदेश्य स्पष्ट कीजिए।
4. यदि मंजिल दूर हो तो लोगों की वहाँ पहुँचने की मानसिकता कैसी होती है?
5. "दिन जल्दी जल्दी ढलता है" की आवृति से कविता की कौनसी विशेषता प्रकट होती है?
6. "दिन जल्दी जल्दी ढलता है" कविता से क्या प्रेरणा मिलती है?

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न–

1. "दिन जल्दी जल्दी ढलता है" कविता में पक्षी तो लौटने को विकल है पर कवि में उत्साह नहीं है। ऐसा क्यों? स्पष्ट कीजिए।
2. "दिन जल्दी जल्दी ढलता है" कविता का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।
3. "दिन जल्दी जल्दी ढलता है" कविता में "एक ओर प्रकृति की वत्सलता झलकती है तो दूसरी ओर कविता की उदासी" कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

2. आलोक धन्वा
"पतंग"

बहुचयनात्मक प्रश्न–

1. "पतंग" कविता के रचयिता है?

   (अ) कुँवर नारायण (ब) आलोक धन्वा (स) उमाशंकर जोशी (द) रघुवीर सहाय (ब)

2. "पतंग" कविता में कवि ने वर्षा के बाद किस ऋतु का चित्रण किया है?

   (अ) शरद (ब) हेमन्त (स) ग्रीष्म (द) शिशिर (अ)

3. "खरगोश की आँखों जैसा लाल सवेरा" पंक्ति में कौनसा बिम्ब है?

   (अ) गतिशील बिम्ब (ब) स्थिर बिम्ब (स) दृश्य बिम्ब (द) स्पर्श बिम्ब (स)

4. "शरद आया पूलो को पार करते हुए" इस पंक्ति में कौनसा अलकंार है?

   (अ) उत्प्रेक्षा (ब) विभावना (स) रूपक (द) मानवीकरण (द)

5. शरद बच्चों को कैसे इशारों से बुलाता है?

   (अ) चमकीले इशारों से (ब) लुभावने (स) तिरछे (द) कोई नही (अ)

6. कौनसी ऋतु आसमान को मुलायम बनाती है?

   (अ) शरद (ब) हेमन्त (स) ग्रीष्म (द) कोई नहीं (अ)

7. "दुनियां रोज बनती है" काव्य संग्रह किसका है?

   (अ) कुँवर नारायण (ब) आलोक धन्वा (स) जयशंकर प्रसाद (द) तुलसीदास (ब)

8. कविता "पतंग" मे खरगोश की आँखों जैसा किसको बताया गया है?

   (अ) सवेरे को (ब) साईकिल को (स) पतंग को (द) सूर्य को (अ)

9. कवि आलोक धन्वा का जन्म कब हुआ?

   (अ) 1948 (ब) 1939 (स) 1938 (द) 1958 (अ)

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

1. "पतंग" कविता के माध्यम से कवि ने किस प्रकार के मनोविज्ञान का चित्रण किया है?
2. बच्चों को कपास की तरह कोमल और उनके पैरों को बैचेन क्यों कहा गया है? पतंग कविता के आधार पर बताइए।

3. दिशाओं को मृदंग की तरह बजाने से क्या तात्पर्य है?

4. छतों को नरम बनाने से कवि का क्या आशय है?

अथवा

"छतों को भी नरम बनाते हुए" बच्चे छतों को कैसे नरम बना देते हैं स्पष्ट कीजिए।

5. पृथ्वी बालकों के पैरों के पास स्वयं घूमती हुई क्यों चली आती है? "पतंग" कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

6. "पतंगों के साथ वे भी उड़ रहे हैं" पतंगों के साथ कौन उड़ रहे हैं? और क्यों?

7. "रोमांचित शरीर का संगीत" इस संगीत का जीवन की लय से क्या सम्बन्ध है?

8. "तितलियों की इतनी नाजुक दुनियां" पंक्ति में तितलियों की आसमान में उड़ती पतंग से क्या समानता है?

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न–

1. "पतंग" कविता का मूल भाव स्पष्ट कीजिए।
2. किशोर और युवा वर्ग समाज के मार्गदर्शक है "पतंग" कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।
3. खतरनाक परिस्थितियों का सामना करने के बाद आप दुनियां की चुनौतियों के सामने स्वयं को कैसा महसूस करते हो ? "पतंग" कविता के आधार पर सोदाहरण स्पष्ट कीजिए
4. "पतंग" कविता के काव्यगत सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए।

कवि परिचय

1. कवि आलोक धन्वा का परिचय लिखिए।

2. कुंवर नारायण

(1) कविता के बहाने

बहुचयनात्मक प्रश्न–

1. "कविता के पंख लगा उड़ने के माने" कौन नहीं जानता है?

   (अ) चिडियाँ (ब) फूल (स) बच्चा (द) कोई नहीं (अ)

2. "कविता के बहाने" इसके रचनाकार कौन है?

   (अ) आलोक धन्वा (ब) हरिवंशराय बच्चन (स) कुँवर नारायण (द) रघुवीर सहाय (स)

3. कविता के पंख लगा उड़ने से क्या तात्पर्य है ?

   (अ) उड़ना (ब) कल्पना करना (स) चलना (द) कोई नही (ब)

4. किसकी उडान देश, काल और परिस्थिति से बाहर संभव है?

   (अ) चिड़ियाँ की (ब) बच्चे की (स) फूल की (द) कविता की (द)

5. "चिडियाँ क्या जाने" पंक्ति मे कौनसा अलंकार है?

   (अ) प्रश्नालंकार (ब) विभावना (स) वक्रोक्ति (द) दृष्टान्त (अ)

6. "कविता के बहाने" कविता में किसकी महता को स्थापित किया गया है?

   (अ) कविता की (ब) चिड़िया की उड़ान की

   (स) फूलो की महक की (द) बच्चों के खेल की (अ)

7. बिना मुरझाए कौन महकता है?

   (अ) फूल (ब) खुशबु (स) कविता (द) कोई नहीं (स)

8. फूल की अंतिम परिणति क्या होती है?

   (अ) मुरझाना (ब) ताजगी भरना (स) खिलना (द) महकना (अ)

9. "कविता बिना मुरझाए सदियों तक महकती रहती है" इसका क्या आशय है?

   (अ) कविता कालजयी होती है। (ब) कविता का प्रभाव सदियों तक बना रहता है।

   (स) कविता का सौन्दर्य कभी समाप्त नहीं होता। (द) उपर्युक्त सभी (द)

10. कविता पढ़ते समय और लिखते समय काल के बंधन टूट जाते हैं और बच्चों के खेलते समय–

    (अ) धर्म के बंधन टूट जाते हैं (ब) भेदभाव के बधंन टूट जाते हैं

    (स) संकिर्णता के बंधन टूट जाते हैं (द) उपर्युक्त सभी (द)

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

1. "कविता के बहाने" कविता मे कवि को किस बात का सन्देह है?
2. कविता की उड़ान व चिड़ियाँ की उड़ान में क्या अन्तर है?

RCScE राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद
स्कूल शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार

3. कविता और बच्चों के खेल मे क्या समानता है ?
4. कविता की तुलना फूलों से क्यों की गई है? बताइए
5. कविता की उड़ान को चिड़ियाँ क्यों नही जान सकती है?
6. बच्चों व कविता के सन्दर्भ में "यह घर, वह घर" का क्या अर्थ है?
7. कविता का खिलना फूल क्यों नही जान सकता है?
8. "कविता के बहाने" कविता का मूल भाव लिखिए।
9. कविता के सन्दर्भ में बिना मुरझाए महकने के मायने क्या है?

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न–

1. "कविता के बहाने" के आधार पर कविता के असीमित अस्तित्व को स्पष्ट कीजिए?
2. बच्चे की उछल–कूद, सब घर एक देना एवं कवि का कविता लिखना "दोनों" में क्या समानता है? कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए
3. कविता की तुलना बच्चों के खेल से क्यों की गई है?कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

कवि परिचय

1. कवि कुँवर नारायण का जीवन परिचय लिखिए।

(2) "बात सीधी थी पर''

बहुचयनात्मक प्रश्न–

1. "बात सीधी थी पर" कविता के रचयिता कौन है?

   (अ) कुँवर नारायण (ब) फिराक गोरवपुरी (स) उमाशंकर जोशी (द) रघुवीर सहाय (अ)

2. सीधी बात किसके चक्कर में टेढी हो गई?

   (अ) तर्कशास्त्र के (ब) विज्ञान के (स) भाषा के (द) उपर्युक्त सभी (स)

3. भाषा के क्या करने से बात और अधिक पेचीदा हो गई?

   (अ) उलटने पलटने से (ब) तोड़ने–मरोड़ने से (स) घुमाने–फिराने से (द) उपर्युक्त सभी (द)

4. कवि के करतबों को देखकर तमाशबीनों ने क्या किया?

   (अ) उसकी झूठी तारीफ की (ब) शाबाशी दी

   (स) वाह वाही की (द) उपर्युक्त सभी (द)

5. बात कवि के साथ किसके समान खेल रही थी?

   (अ) पेंच के (ब) कील के (स) बच्चे के (द) खिलौने के (स)

6. "बात की चूड़ी मर जाना" से कवि का क्या तात्पर्य है?

   (अ) बात का प्रभावहीन हो जाना (ब) बात का सहज और स्पष्ट हो जाना

   (स) बात मे कसावट आ जाना (द) इनमें से कोई नही (अ)

7. कविता में किसकी सहजता की बात की गई है?

   (अ) अलकांर की (ब) छन्द की (स) व्याकरण की (द) भाषा की (द)

8. बनावटी और आडम्बरयुक्त भाषा के प्रयोग से बात कैसी हो गई?

   (अ) प्रभावहीन (ब) उद्देश्यहीन (स) अर्थहीन (द) उपर्युक्त सभी (द)

लघूत्तरात्मक प्रश्न

1. भाषा को सहूलियत से बरतने का क्या अभिप्राय है?
2. कवि के अनुसार कोई बात पेचीदा कैसे हो जाती है?
3. "प्रशंसा का व्यक्ति पर क्या प्रभाव पड़ता है?" "बात सीधी थी पर" कविता के आधार पर बताइए।
4. पेंच को खोलने और कसने का क्या तात्पर्य है?
5. "आखिरकार वही हुआ जिसका मुझे डर था" कवि को क्या डर था ? लिखिए।
6. "सारी मुश्किल को धैर्य से समझे बिना" कविता के अनुसार धैर्य न रखने का क्या परिणाम हुआ ?
7. कवि को पसीना आने का क्या कारण था?
8. "बात सीधी थी पर" कविता में कवि का क्या सन्देश है?

9. "क्या तुमने भाषा को सहूलियत से बरतना कभी नहीं सीखा"। इस पंक्ति में निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए।

10. "बात सीधी थी पर" कविता का प्रतिपाद्य बताइए ।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

1. बात और भाषा परस्पर जुड़े होते हैं किन्तु कभी कभी भाषा के चक्कर में सीधी बात भी टेढ़ी हो जाती है। कैसे ? स्पष्ट कीजिए।

2. कविता में कवि भाषा के विषय पर व्यंग्य करके क्या सिद्ध करना चाहते हैं? ''बात सीधी थी पर'' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

4. रघुवीर सहाय

कैमरे में बन्द अपाहिज

बहुचयनात्मक प्रश्न–

1. ''कैमरे मे बन्द अपाहिज'' कविता में मीडिया के किस माध्यम का उल्लेख किया गया है?
   (अ) रेडियों (ब) टेलीविजन (स) इन्टरनेट (द) सिनेमा (ब)
2. "आपका अपाहिजपन आपको" पंक्ति में कौनसा अलंकार है?
   (अ) अनुप्रास (ब) यमक (स) रूपक (द) श्लेष (अ)
3. दूरदर्शन के संचालक ने स्वयं को क्या बताया है?
   (अ) समर्थ शक्तिवान (ब) भगवान (स) परमात्मा (द) अपाहिज का संरक्षक (अ)
4. "फूली हुई आँख की बड़ी तस्वीर" पंक्ति में कौनसा बिम्ब है?
   (अ) गतिशील बिम्ब (ब) स्पर्श बिम्ब (स) दृश्य बिम्ब (द) श्रव्य बिम्ब (स)
5. अपाहिजपन का क्या अर्थ है?
   (अ) मजबूत (ब) शारीरिक रूप से कमजोर
   (स) अच्छा व्यक्ति (द) सभी (ब)
6. हम अपाहिज व्यक्ति को क्यों रूला देते हैं?
   (अ) कार्यक्रम रोचक बने (ब) बोर लगे (स) रोचक नहीं लगे (द) कोई नहीं (अ)
7. कैमरे में क्या दिखलाएंगे ?
   (अ) बन्द आँख (ब) फूली हुई आँख (स) गुस्से मे लाल आँख (द) उपर्युक्त सभी (ब)
8. "कसमसाहट" का क्या अर्थ है?
   (अ) खुशी (ब) बैचेनी (स) गुस्सा (द) दुख (ब)
9. परदे पर किसकी कीमत होती है?
   (अ) वक्त की (ब) दर्शकों की (स) मेहमानों की (द) सभी की (अ)
10. रघुवीर सहाय का जन्म कब हुआ?
    (अ) 1919 (ब) 1939 (स) 1929 (द) 1909 (स)

लघूत्तरात्मक प्रश्न

1. मीडिया द्वारा कमजोर व्यक्ति को बुलाने के पीछे क्या उद्देश्य है?
2. "कैमरे में बन्द अपाहिज" कविता से संचार माध्यमो की कौन सी सच्चाई उजागर होती है?
3. दूरदर्शन के कार्यक्रम में रोचकता उत्पन्न करने हेतु संचालक क्या क्या उपाय करता है?
4. कविता में अपाहिज व्यक्ति और दर्शकों को एक साथ रुलाने का प्रयास क्यों किया गया है?

5. "यह अवसर खो देंगे" पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

6. "आपको अपाहिज होकर कैसा लगता है?" प्रस्तुत कथन मीडिया की किस मानसिक स्थिति को दर्शाता है?

7. "हमें दोनों एक संग रुलाने हैं" पंक्ति का आशय स्पष्ट किजिए।

8. "पर्दे पर वक्त की कीमत है" कथन का क्या अभिप्राय है?

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

1. ''आप देख रहे थे सामाजिक उदेश्य से युक्त कार्यक्रम'' (बस थोड़ी ही कसर रह गई) पंक्ति में निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए।

2. ''कैमरे में बन्द अपाहिज'' कविता का मूल प्रतिपाद्य लिखिए।

3. कैमरे में बन्द अपाहिज कविता "व्यावसायिक दबाव के तहत एक व्यक्ति के संवेदनहीन रवैये को प्रस्तुत करती है" कथन की समीक्षा कीजिए।

4. कैमरे में बन्द अपाहिज कविता के आधार पर संवेदनहीन मानवीय दृष्टिकोण के सम्बन्ध में अपनी प्रतिक्रिया लिखिए।

5. "कैमरे में बन्द अपाहिज" कविता ''करूणा के मुखौटे में छिपी क्रुरता की कविता है'' इस सम्बन्ध में अपने विचार लिखिए।

कवि परिचय–

1. कवि रघुवीर सहाय का व्यक्तित्व एवं कृतित्व परिचय लिखिए।

5. शमशेर बहादुर सिंह

"उषा"

बहुचयनात्मक प्रश्न–

1. भोर के समय आकाश का रंग कैसा है?
   (अ) नीला (ब) भूरा (स) बैगनी (द) गुलाबी (अ)
2. शमशेर बहादुर सिंह का जन्म कब हुआ?
   (अ) 1911 (ब) 1921 (स)1917 (द) 1928 (अ)
3. "बहुत नीला शंख जैसा" पंक्ति में कौनसा अलंकार है?
   (अ) उपमा (ब) रूपक (स) श्लेष (द) अनुप्रास (अ)
4. उषा का जादू टूटने का क्या कारण था?
   (अ) बरसात आना (ब) तारो का दिखाई देना
   (स) सूर्योदय होना (द) दोपहर का होना (स)
5. "गोर झिलमिल देह" प्रकृति के किस उपादान की है?
   (अ) चन्द्रमा की (ब) सूर्य की (स) धरती की (द) तालाब की (ब)
6. शमशेर बहादुर सिंह मुख्यतः हिन्दी की किस धारा के कवि है?
   (अ) छायावाद (ब) प्रगतिवाद (स) प्रयोगवाद (द) नई कविता (स)
7. उषा कविता में किसका वर्णन किया गया है?
   (अ) शहर की सुबह (ब) वन की सुबह (स) गाँव की सुबह (द) उपर्युक्त सभी (स)
8. "उषा" कविता के रचनाकार है?
   (अ) शमशेर बहादुर सिंह (ब) कुंवर नारायण (स) रघुवीर सहाय (द) आलोक धन्वा (अ)

लघूत्तरात्मक प्रश्न

1. भोर के नभ और राख से लीपे हुए चौके में क्या समानता है?
2. कवि ने भोर के नभ के सौन्दर्य की तुलना किन–किन उपमानों से की है?
3. "नीले जल में झिलमिलाती गोरवर्ण देह" का प्रयोग किस दृश्य हेतु किया गया है?
4. उषा कविता में सूर्योदय के किस रूप को चित्रित किया गया है ?
5. "प्रातः नभ था बहुत नीला शंख जैसे" पंक्ति में कवि ने आकाश की क्या क्या विशेषताए बताई है?
6. "राख से लीपा हुआ चौका" कवि ने ऐसा क्यों कहा?
7. "उषा" कविता से कवि ने क्या व्यजंना की है?
8. शमशेर बहादुर सिंह द्वारा रचित काव्य संग्रह बताइए।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

1. "उषा कविता में ग्रामीण परिवेश की सुबह का सुन्दर चित्र प्रस्तुत किया गया है।" कविता के आधार पर कथन की समीक्षा कीजिए।

अथवा

उषा कविता ग्रामीण परिवेश का गतिशील चित्रण है। स्पष्ट कीजिए

अथवा

शमशेर की उषा कविता गाँव की सुबह का जीवन्त चित्रण है कथन की पुष्टि कीजिए

2. सूर्योदय के साथ उषा का जादू कैसे टूट जाता है? कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।
3. उषा कविता के आधार पर सूर्योदय से ठिक पहले पल–पल परिवर्तित होते प्राकृतिक दृश्यों का वर्णन कीजिए।
4. उषा कविता का केन्द्रीय भाव स्पष्ट कीजिए।

कवि परिचय

1. कवि शमशेर बहादुर सिंह का जीवन परिचय लिखिए।

6. सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
"बादल राग"

बहुचयनात्मक प्रश्न–

1. बादल राग कविता के रचनाकार कौन है?
   (अ) निराला (ब) प्रसाद (स) पंत (द) बच्चन (अ)
2. निराला का जन्म कब हुआ?
   (अ) 1990 (ब) 1899 (स) 1900 (द) 1890 (ब)
3. कविता मे विप्लव के वीर किसे कहा गया है?
   (अ) पूंजीवादी लोगों को (ब) बादल को (स) गरीबों को (द) कोई नही (ब)
4. "बादल राग" कविता किस काव्य धारा की कविता है?
   (अ) छायावादी (ब) प्रगतिवादी (स) प्रयोगवादी (द) साठोतरी (ब)
5. क्रान्ति की आशंका से कौन भयभीत रहता है?
   (अ) शोषक वर्ग (ब) शोषित वर्ग (स) कवि (द) पाठक (अ)
6. आधुनिक हिन्दी में "मुक्त छन्द" के प्रणेता कौन है?
   (अ) निराला (ब) पंत (स) त्रिलोचन (द) नागार्जुन (अ)
7.. बादल राग कविता में बादल किसका प्रतीक है?
   (अ) शोषक का (ब) शोषित का (स) शान्ति का (द) क्रान्ति का (द)
8. "यह तेरी रण तरी" यहाँ "रण तरी" से क्या तात्पर्य है?
   (अ) धन से भरी नौका (ब) सुन्दर नौका (स) युद्ध की नौका (द) कोई नहीं (स)
9. "बादल राग" कविता में सुख को कैसा बताया गया है?
   (अ) स्थिर (ब) चंचल (स) अस्थिर (द) अदृश्य (स)
10. "जल–विप्लव प्लावन" किस पर होता है?
   (अ) जलज पर (ब) नौका पर (स) कीचड़ पर (द) नभ पर (स)
11. "शैशव का सुकुमार शरीर" किसमें हँसता रहता है?
   (अ) रोग–शोक मे (ब) आनन्द में (स) सुख में (द) उपर्युक्त सभी (अ)

लघूत्तरात्मक प्रश्न

1. बादल राग कविता में "ऐ विप्लव के वीर" किसे कहा गया है और क्यों?
2. बादल और बादल राग के प्रतीक को स्पष्ट कीजिए।
3. "बादल राग" कविता में अट्टालिकाओं को आतंक भवन क्यों कहा गया है?

RCScE राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद
स्कूल शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार

4. बादल की युद्ध नौका किससे भरी है?

5. "बादल राग" जीवन निर्माण के नए युग का सूचक है कथन को स्पष्ट कीजिए।

6. "बादल राग" कविता से कवि निराला की किस क्रान्तिकारी विचारधारा का पता चलता है?

7. कविता में "क्षुब्ध तोष" किस बात की ओर संकेत करता है? बताइए।

8. "बादल राग" कविता में बादल किसान के सन्दर्भ में क्या सन्देश दे रहा है?

9. "बादल राग" कविता का उदेश्य स्पष्ट कीजिए।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न–

1. क्रान्ति की गर्जना का शोषक वर्ग पर क्या प्रभाव पड़ता है ? उनका मुख ढांपना किस मानसिकता का द्योतक है? "बादल राग" कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

2. "बादल के गर्जन और क्रान्तिकारी नेता द्वारा क्रान्ति का आह्वान" इनमें कौनसी समानता दिखाई देती है? स्पष्ट कीजिए।

3. बादल की गर्जन से छोटे पौधों पर और विप्लवी नेता के आहवान से श्रमिक वर्ग पर क्या प्रभाव पड़ता है? कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

4. जीर्ण शीर्ण शरीर वाले कौन लोग बादलों को बुलाते हैं? और क्यों? स्पष्ट कीजिए।

5. "बादल राग" कविता तात्कालिक वंचित वर्ग की परिस्थितियों का प्रतिबिम्ब है कविता के आधार पर कथन की समीक्षा कीजिए।

कवि परिचय

1. कवि सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला का व्यक्तित्व एवं कृतित्व परिचय लिखिए।

7. तुलसीदास

(1) कवितावली (उतरकांड)

बहुचयनात्मक प्रश्न–

1. गोस्वामी तुलसीदास का जन्म कब हुआ?
   (अ) 1940 (ब) 1532 (स) 1523 (द) 1623 (ब)
2. कवितावली की भाषा क्या है?
   (अ) अवधी (ब) ब्रज (स) खडी बोली (द) बहोली (ब)
3. तुलसीदास किस युग के श्रेष्ठ कवि है?
   (अ) आदिकाल (ब) भक्तिकाल (स) रीतिकाल (द) आधुनिक काल (ब)
4. बलि शब्द का क्या अर्थ है?
   (अ) बाली (ब) कर्म (स) दान (द) व्यापार (स)
5. दारिद–दशानन में कौनसा अलंकार है?
   (अ) उपमा (ब) रूपक (स) यमक (द) श्लेश (ब)
6. तुलसीदास जी ने रामचरितमानस की रचना कब की ?
   (अ) 1574 ई. (ब) 1584 ई. (स) 1532 ई. (द) 1623 ई. (अ)
7. पेट की अग्नि की तुलना किससे की गई है?
   (अ) चुल्हे की आग से (ब) बडवाग्नि से (स) दावानल से (द) यज्ञ की अग्नि से (ब)
8. तुलसीदास ने इस दुर्व्यवस्था में किस पर भरोसा जताया है?
   (अ) श्रीराम पर (ब) शासन पर (स) इन्द्र पर (द) भाग्य पर (अ)

लघूत्तरात्मक प्रश्न

1. तुलसीदास द्वारा "मसीत" में सोने का निहितार्थ बताइए ।
2. पेट भरने के लिए क्या क्या अनैतिक कार्य किए जा रहे हैं?
3. तुलसी ने दरिद्रता की तुलना किससे की है? और क्यों ?
4. जीविकोपार्जन से विहीन लोग किस चिंता में डूबे है?
5. कवितावली के अनुसार वेदों और पुराणों में क्या कहा गया है?
6. तुलसी ने स्वयं को राम का गुलाम क्यों कहा है?
7. "पेट की आग का शमन ईश्वर (राम) भक्ति का मेघ ही कर सकता है" आप तुलसीदास के इस कथन से किस हद तक सहमत है ? लिखिए।

RCScE राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद
स्कूल शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

1. "तुलसी युग की समस्याए वर्तमान समाज में भी विद्यमान है" इस कथन से आप कहाँ तक सहमत है? स्पष्ट कीजिए।
2. कवितावली के छन्दों में तुलसी ने अपने युग की आर्थिक एवं सामाजिक विषमता को अभिव्यक्त किया है? कथन की पुष्टि कीजिए।
3. "धूत कहौ, अवधूत कहौ, जोलाहा कहो कोई" इस सवैये में सहज, सरल व निरीह से दिखाई पड़ने वाले तुलसी की आन्तरिक वास्तविकता एक स्वाभिमानी भक्त हृदय की है। इस सन्दर्भ में अपना मत लिखिए।
4. "विविध विषमताओं से ग्रस्त कलिकाल तुलसी का युगीन यथार्थ है" कथन को तर्क सहित स्पष्ट कीजिए।
5. "तुलसीदास की लोक व शास्त्र दोनों में गहरी पैठ है" तथा जीवन व जगत की व्यापक अनुभूति और मार्मिक प्रसंगो की अचूक समझ है।" कथन का तर्क सहित उतर दीजिए।

(2) लक्ष्मण मूर्च्छा और राम का विलाप

बहुचयनात्मक प्रश्न

1. रामचरितमानस में कितने कांड है?

(अ) 6	(ब) 7	(स) 8	(द) 9	(ब)

2. "सुत बित नारी भवन परिवारा" पंक्ति में आए "बित" से तात्पर्य है?

(अ) धन	(ब) बीता हुआ	(स) मृत	(द) उपर्युक्त सभी	(अ)

3. लक्ष्मण के मूर्च्छित होने पर कौन विलाप करने लगा?

(अ) हनुमान	(ब) श्रीराम	(स) दशरथ	(द) सुग्रीव	(ब)

4. सांप का जीवन किसके बिना दीन–हीन है?

(अ) मणि	(ब) जहर	(स) दन्त	(द) फण	(अ)

5. लक्ष्मण–मूर्च्छा और राम का विलाप प्रसंग में किस रस की प्रमुखता है?

(अ) श्रृंगार रस	(ब) करूण रस	(स) भयानक रस	(द) रोद्र रस	(ब)

6. रामचरितमानस किस भाषा में रचित है?

(अ) ब्रज	(ब) अवधी	(स) मैथिली	(द) भोजपुरी	(ब)

7. इस प्रसंग में किसकी क्षति को महत्वहीन बताया गया है?

(अ) भाई की	(ब) नारी की	(स) परिवार की	(द) स्वास्थ्य की	(ब)

8. "मिलही न जगतु सहोदर भ्राता" कथन किसका है?

(अ) हनुमान	(ब) श्रीराम	(स) लक्ष्मण	(द) कुभकरण	(ब)

9. रावण के सभी योद्धाओ का संहार किसने किया?

(अ) हनुमान	(ब) जामवंत	(स) नल–नील	(द) लक्ष्मण	(अ)

10. ''तात्'' शब्द से तात्पर्य है।

(अ) भाई	(ब) पुत्र	(स) मामा	(द) दादा	(अ)

11. "लक्ष्मण मूर्च्छा और राम का विलाप" काव्यांश रामचरितमानस के किस कांड से लिया गया है?

(अ) अयोध्या कांड	(ब) बालकांड	(स) लंका कांड	(द) सुन्दरकांड	(स)

लघूत्तरात्मक प्रश्न

1. राम को लक्ष्मण के बिना, अपना जीवन कैसा लगता है?

2. रावण की बातों पर कुंभकरण ने क्या प्रतिक्रिया दी ?

3. "बोले वचन मनुज अनुसारी" से कवि का क्या अभिप्राय है?

4. पंख के बिना पक्षी और सूण्ड के बिना हाथी की क्या दशा होती है? काव्य प्रसंग में इनका उल्लेख क्यों किया गया है?

5. भाई के प्रति राम के प्रेम की प्रगाढ़ता उनके किन विचारों से व्यक्त हुई है?

अथवा

लक्ष्मण जैसा भाई संसार में कोई नहीं है श्रीराम ने ये बात क्यों कही ?

6. लक्ष्मण के ठीक होने का समाचार सुनकर रावण ने क्या किया?

7. हनुमान मन ही मन भरत जी की प्रशंसा क्यों करते जा रहे हैं ?

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

1. कवि ने भातृशोक में डूबे राम की दशा को उनकी नरलीला की अपेक्षा सच्ची मानवीय अनुभूति के रूप में रचा है। तर्क पूर्ण विचार लिखिए ।

2. शोकग्रस्त वातावरण में हनुमान के अवतरण को करूण रस के बीच वीर रस का आविर्भाव क्यों कहा गया है? स्पष्ट कीजिए।

3. "लक्ष्मण मूर्च्छा पर राम का विलाप" में तुलसीदास नारी के प्रति तत्कालीन समाज की मान्यताओं के प्रभाव से बच नहीं पाए है। सोदाहरण कथन को स्पष्ट कीजिए।

कवि परिचय

1. भक्त कवि गोस्वामी तुलसीदास का परिचय लिखिए ।

8. फिराक़ गोरखपुरी

रूबाइयाँ

बहुचयनात्मक प्रश्न–

1. फिराक गारेखपुरी का जन्म कब हुआ?
   (अ) 1896 (ब) 1890 (स) 1996 (द) 1995 (अ)
2. "गोरखपुरी" को किस रचना के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार दिया गया है?
   (अ) बज्मे जिदंगी (ब) गुले नग्मा (स) उर्दु गजलगोई (द) रंगे शायरी (ब)
3. बच्चों के घरोंदो में दीपक कौन जलाता है?
   (अ) पिता (ब) दादी (स) माता (द) बहिन (स)
4. खिलखिलाते बच्चे की हंसी कब गूंज उठती है?
   (अ) जब माँ उसे प्यार से हवा में उछालती है। (ब) जब माँ उसके गोसुओं में कंधी करती है।
   (स) जब माँ उसको कपड़ें पहनाती है। (द) जब माँ उसे खिलोनें देती है। (अ)
5. "लोका देना" मुहावरे का अर्थ है?
   (अ) हवा में उछालना (ब) उपर से फेंकना (स) बाहर निकाल देना (द) भगा देना (अ)
6. "उलझे हुए गेंसुओं में कंघी करके" पंक्ति में "गेंसुओ" से तात्पर्य है?
   (अ) बालों मे (ब) कपडों में (स) घुटनों में (द) हाथों में (अ)
7. बालक किस पर ललचाया है?
   (अ) मिठाई पर (ब) खिलौनों पर (स) चाँद पर (द) नए कपडों पर (स)

लघूत्तरात्मक प्रश्न

1. बालक कब प्रसन्नता का अनुभव करता है?
2. कवि ने चाँद का टुकड़ा किसे और क्यों कहा है?
3. लच्छे किसे कहा गया है? इनका सम्बन्ध किस त्योहार से है?
4. बच्चा माँ की गोद में कैसी प्रतिक्रिया करता है?
5. रस की पुतली कौन है? उसे यह संज्ञा क्यों दी गई है?
6. बालक द्वारा चाँद मांगने की ज़िद को माँ ने कैसे पूरा किया?
7 "गूंज उठती है खिलखिलाते बच्चे की हंसी" पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

1. बच्चे को लेकर माँ के किन किन क्रिया कलापो का चित्रण किया गया है? उनसे उसके किस भाव की अभिव्यक्ति हुई है? स्पष्ट कीजिए।
2. "आंगन मे ठुनक रहा है जिद़याया है, बालक तो हई चाँद पै ललचाया है" पंक्तियो मे बालक की कौन कौनसी विशेषताए अभिव्यक्त हुई ? लिखिए।
3. फिराक की रुबाईयों में उभरे घरेलू जीवन के बिबों का सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए।

कवि परिचय

1. कवि फिराक गोरखपुरी का परिचय लिखिए।

9. उमाशंकर जोशी

(1) छोटा मेरा खेत

बहुचयनात्मक –

1. उमाशंकर जोशी का जन्म कब हुआ ?

(अ) 1901 ई. (ब) 1921 ई. (स) 1911 ई. (द) 1915 ई. (स)

2. रस का अक्षय पात्र किसे कहा गया है ?

(अ) गन्ने को (ब) साहित्य (कविता को) (स) खेत को (द) इनमें कोई नहीं (ब)

3. साहित्य का रसायन क्या है ?

(अ) खाद (ब) कल्पना (स) बीज (द) अर्थ (ब)

4.. 'छोटा मेरा खेत चौकोना' उपमान का प्रयोग किसके लिए किया गया है ?

(अ) वर्गाकार रूप के लिए (ब) पल्लव के लिए

(स) कागज के पन्ने के लिए (द) फसल के लिए (स)

5. कवि ने कल्पना रूपी बीज कहाँ बोया ?

(अ) खेत में (ब) कागज के पन्ने पर (स) जंगल में (द) तालाब में (ब)

6. ''झूमने लगे फल'' पंक्ति में निहित अर्थ है –

(अ) कवि की कविता तैयार हो गई। (ब) खेत में फसल पक गई।

(स) पेड़ का फल पक गया। (द) हवा से फल झूमने लगे। (अ)

7. निम्नलिखित में कौनसी रचना उमाशंकर जोशी की नहीं है ?

(अ) निशीथ (ब) श्रावणी मेमो (स) गंगोत्री (द) पल्लव (द)

8. ''छोटा मेरा खेत चौकोना'' कविता में कवि ने किसकी कटाई की बात की है ?

(अ) फसल की (ब) अकुंर की (स) क्षण की (द) अनन्तता की (द)

लघूत्तरात्मक प्रश्न –

1. 'रस अलौकिक अमृत धाराएँ फूटती है' रस की अलौकिक धाराएँ कब, कहाँ और क्यों फूटती है ?
2. ''लूटते रहने से जरा भी कम नहीं होती'' पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।
3. मूल विचार को क्षण का बीज क्यों कहा गया है ? उसका रूप परिवर्तन किन रसायनों से होता है?
4. शब्द रूपी अंकुर फूटने से क्या आशय है ?
5. रस का अक्षय पात्र किसे और क्यों कहा गया है ?
6. ''बीज गल गया निःशेष–छोटा मेरा खेत'' पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

दीर्घउत्तरात्मक प्रश्न –

1. छोटा मेरा खेत कविता का प्रतिपाद्य या मूल भाव लिखिए।
2. ''रोपाई क्षण की, कटाई अनन्तता की''

   लूटते रहने से जरा भी नहीं कम होती

   रस का अक्षय पात्र सदा का

   छोटा मेरा खेत चौकोना'' कविता का काव्य सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए।
3. ''छोटा मेरा खेत'' कविता के आधार पर खेत तथा कागज के पन्ने में जो समानता है, उसे स्पष्ट कीजिए।

कवि परिचय–

1. कवि उमाशंकर जोशी का परिचय लिखिए।

(2) बगुलों के पंख

बहुचयनात्मक –

1. ''बगुलों के पंख'' कविता के रचनाकार कौन है ?

   (अ) रघुवीर सहाय (ब) उमाशंकर जोशी (स) नागार्जुन (द) निराला (ब)

2. पंक्तिबद्ध हो कर उड़ते जा रहे बगुलों के दृश्य में कौनसा बिम्ब है ?

   (अ) श्रव्य बिम्ब (ब) दृश्य बिम्ब (स) गतिशील बिम्ब (द) स्पर्श बिम्ब (स)

3. बगुलों के पंखों का रंग कैसा है ?

   (अ) सफेद (ब) काला (स) नीला (द) गुलाबी (अ)

4.. ''बगुलों के पंख'' कविता में कवि किस दृश्य पर मुग्ध है ?

   (अ) सुबह का दृश्य (ब) शाम का दृश्य

   (स) आकाश में छाए बादलों का दृश्य (द) सफेद बंगुलों का पंक्ति बनाकर उड़ना (द)

5. सांझ की सतेज श्वेत काया क्या कर रही है ?

   (अ) भाग रही है (ब) उड रही है (स) तैर रही है (द) नहा रही है (स)

लघूत्तरात्मक प्रश्न –

1. ''बगुलों के पंख'' कविता का प्रतिपाद्य बताइए।
2. ''नभ में पांती बांधे बगुलो के पंख'' से कवि का आशय स्पष्ट कीजिए।
3. ''चुराए लिए जाती मेरी आँखें'' पंक्ति में आँखें चुराने से कवि का क्या तात्पर्य है ?

आरोह गद्य खण्ड

10. महादेवी वर्मा

"भक्तिन"

बहुचयनात्मक प्रश्न–

1. सेवा धर्म में भक्तिन किस की तरह समर्पित भाव से सेवारत थी?
   (अ) गणेश जी (ब) भरत जी (स) हनुमान जी (द) लक्ष्मण जी (स)
2. भक्तिन का मूल नाम क्या है।
   (अ) लछमिन (ब) मालिन (स) भक्तिन (द) पुरखिन (अ)
3. जीवन में प्रायः सभी को किसके साथ जीना पडता है?
   (अ) सुख के साथ (ब) बेपरवाही के साथ
   (स) कर्महीनता के साथ (द) नाम के विरोधाभास के साथ (द)
4. 'भक्तिन' पाठ में समाज का कैसा स्वरूप प्रत्यक्ष होता है ?
   (अ) संवेदनशील (ब) पितृसतात्मक (स) छल–कपट (द) मातृसतात्मक (ब)
5. टकसाल का क्या अर्थ होता है।
   (अ) सौ साल का समय (ब) जहाँ सिक्के ढाले जाते हैं।
   (स) खोटा भाग्य (द) आवाज करने वाला यंत्र (ब)
6. अजिया ससुर किसे कहा गया है ?
   (अ) पति के चाचा (ब) पति के मामा (स) पति के दादा (द) पति के पिता (अ)
7. भक्तिन का शहर आने का कारण क्या था?
   (अ) कमाई करना (ब) जमींदार द्वारा दी गई सजा
   (स) व्यवसाय करना (द) घर का कलह (ब)
8. भक्तिन सबसे ज्यादा किससे डरती है?
   (अ) लेखिका से (ब) युद्ध (स) कारागार (द) मालकिन की नाराजगी (स)

लघूत्तरात्मक प्रश्न

1. भक्तिन की सास उसके साथ भेदभाव पूर्ण व्यवहार क्यों करती थी?
2. भक्तिन के मन में जेल जाने वालों के प्रति क्या भाव थे ?
3. भक्तिन के आ जाने से लेखिका अधिक देहाती क्यों हो गई ।
4. भक्तिन का दुर्भाग्य क्या था ? उसे हठी क्यों कहा गया है?

5. ''भक्तिन संस्मरण'' में समाज की किन समस्याओं को उजागर किया है?

6. ''भारतीय ग्रामीण समाज में लड़कें–लड़कियों में किए जाने वाले भेदभाव को'' भक्तिन संस्मरण के आधार पर स्पष्ट कीजिए

7. इधर उधर बिखरे रूपये पैसों को भक्तिन द्वारा संभालकर रखना क्या चोरी है? अपने विचार लिखिए ।

8. भक्तिन ने लेखिका के जीवन को कैसे प्रभावित किया?

9. ''भक्तिन वाक्पटुता में बहुत आगे थी'' पाठ के आधार पर उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए ।

10. बिना पढ़े ही भक्तिन पढने वालों की गुरु कैसे बन गई? स्पष्ट कीजिए।

11. ''स्त्री ही स्त्री की दुश्मन होती है'' कथन को ''भक्तिन संस्मरण'' के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

12. ''मेरे भ्रमण की एकांत साथिन भक्तिन ही रही।'' महादेवी के इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए ।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न–

1. भक्तिन की बेटी पर पंचायत द्वारा जबरन पति थोपा जाना एक दुर्घटना नहीं, बल्कि विवाह के सन्दर्भ में स्त्री के मानवाधिकार या स्वतंत्रता को कुचलते रहने की सदियों से चली आ रही सामाजिक परम्परा का प्रतीक है। कैसे? स्पष्ट कीजिए।

2. ''भक्तिन संस्मरण'' के आधार पर भक्तिन की विशेषताएँ लिखिए।

3. भक्तिन का अतीत परिवार और समाज की किन समस्याओं से जूझते हुए बीता है? पाठ के आधार पर स्पष्ट दीजिए।

11. जैनेन्द्र कुमार

'बाजार दर्शन'

बहुचयनात्मक प्रश्न–

1. 'बाजार दर्शन' के रचयिता कौन है?

(अ) महादेवी वर्मा (ब) जैनेन्द्र कुमार (स) धर्मवीर भारती (द) प्रेमचन्द (ब)

2. 'बाजार दर्शन' का प्रतिपाद्य क्या है ?

(अ) बाजार से लाभ (ब) बाजारीकरण

(स) बाजार जाने की सलाह (द) बाजार के उपयोग की विवेचना (द)

3. बाजार का पोषण करने वाले अर्थशास्त्र को लेखक ने क्या कहा है?

(अ) नीतिशास्त्र (ब) अनीतिशास्त्र (स) धर्मशास्त्र (द) समाजशास्त्र (ब)

4. बाजार को शैतान का जाल किसने कहा ?

(अ) लेखक ने (ब) पत्नी ने (स) लेखक के मित्र ने (द) स्वयं बाजार ने (स)

5. "बाजार दर्शन" पाठ में लेखक ने किसका वर्णन किया है?

(अ) उपभोक्तावाद (ब) बाज़ार का जादुई प्रभाव

(स) सांप्रदायिकता (द) उत्पादो का प्रभाव (ब)

6. बाजारूपन' से क्या अभिप्राय है ?

(अ) बाजार से सामान खरीदना (ब) बाज़ार से अनावश्यक वस्तुए खरीदना

(स) बाजार से आवश्यक वस्तुए खरीदना (द) बाज़ार को सजाकर आकर्षक बनाना (ब)

7. मन खाली होने से क्या तात्पर्य है?

(अ) मन में विषय विकार न होना (ब) मन में कोई लक्ष्य न होना

(स) मन चंचलता न होना (द) मन में शुद्धता न होना (ब)

8. सच्चा कर्म सदा किसके साथ होता है ?

(अ) पूर्णता की स्वीकृति के साथ (ब) अपूर्णता की स्वीकृति के साथ

(स) अपूर्णता की अस्वीकृति के साथ (द) पूर्णता की अस्वीकृति के साथ (अ)

9. पर्चेजिंग पावर क्या है ?

(अ) बाज़ार देखना (ब) क्रय शक्ति (स) विक्रय शक्ति (द) बाज़ार घूमना (ब)

10. जैनेन्द्र को किस रचना के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला ?

(अ) त्यागपत्र (ब) पाजेब (स) मुक्तिबोध (द) सुनिता (स)

11. "बाजार दर्शन" पाठ के अनुसार संसार में पूर्ण कौन है?

(अ) प्रकृति (ब) योगी (स) परमात्मा (द) मनुष्य (स)

12. "बाज़ार का बाजारूपन" कैसे बढ़ता है?

(अ) सस्ता खरीदने से (ब) कम खरीदने से

(स) जरूरत से अधिक खरीदने से (द) इनमें से कोई भी। (स)

13. 'पर्चेजिंग पावर' से क्या आशय है?

(अ) बेचने की शक्ति (ब) कम खरीदने की शक्ति

(स) सस्ता खरीदना (द) पेसौ के बल पर अधिक खरीदना और दिखावा (द)

14. मन में नकार होने का परिणाम है–

(अ) लोभ की जीत (ब) लोभ की हार

(स) आदमी की जीत (द) लोभ की जीत और आदमी की हार (द)

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

1. लेखक ने अर्थशास्त्र को अनीतिशास्त्र क्यों कहा है? उदाहरण देकर समझाइए।
2. शून्य होने का अधिकार किसका है? और क्यों ?
3. बाजार की सार्थकता किसमें है ?
4. पैसे की व्यंग्य शक्ति का तात्पर्य क्या है?
5 बाजार दर्शन से क्या अभिप्राय है ?
6. बाजार के जादू से बचने का उपाय क्या है?
7. चूरन वाले भगत जी के जीवन से क्या शिक्षा मिलती है?
8. बाजार का आमंत्रण मूक क्यों होता है?
9. बाजार दर्शन निबंध का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।
10. बाजारूपन से क्या तात्पर्य है?

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

1. लेखक ने कैसे बाजार को मानवता के लिए विडंबना कहा है ? और क्यों ?

2. कैसे लोग बाजार से न सच्चा लाभ उठा पाते हैं, न उसे सच्चा लाभ दे सकते हैं? वे बाजारूपन को बढ़ाते हैं? कैसे ?

3. भगत जी बाजार को सार्थकता और समाज को शान्ति दे रहे हैं। 'बाजार दर्शन' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए

4. ''बाजार किसी का लिंग, जाति, धर्म या क्षेत्र नहीं देखता, वह देखता है सिर्फ उसकी क्रय शक्ति को'' कथन से आप कहाँ तक सहमत है स्पष्ट कीजिए।

5. बाजार के कौनसे दो पक्ष होते हैं ? उनकी विशेषताए बताइए ।

लेखक परिचय

1. निबन्धकार जैनेन्द्र कुमार का परिचय लिखिए ।

12. धर्मवीर भारती

काले मेघा पानी दे

1. ऋषि–मुनियों ने..........को सबसे ऊँचा स्थान दिया है।
(अ) कर्म (ब) दान (स) धर्म (द) भोग (ब)
2. लेखक समाज की किस कुरीति को खत्म करना चाहता था ?
(अ) अपराध (ब) भ्रष्टाचार (स) अंधविश्वास (द) चौरी–डकैती (स)
3. जीजी लेखक के हाथों पूजा अनुष्ठान क्यों कराती थी?
(अ) लेखक के कल्याण के लिए (ब) स्वयं के कल्याण के लिए
(स) लेखक की इच्छा थी (द) उपरोक्त सभी (अ)
4. लेखक इन्द्र सेना को किस नाम से पुकारता है?
(अ) इंदर मंडली (ब) मेंढक मंडली (स) पांखडी सेना (द) धरती सेना (ब)
5. ''काले मेघा पानी दे'' संस्करण के अनुसार आज लोगों का एक मात्र लक्ष्य क्या है ?
(अ) परोपकार (ब) स्वार्थ (स) त्याग (द) कोई नहीं (ब)
6. काले मेघा दल के दल उमड़ते हैं पानी झमाझम बरसता है का प्रतिकार्थ क्या है ?
(अ) खूब बरसा होती है (ब) कोई प्यासा नहीं रहता
(स) योजना बनती और सबाके लाभ मिलता है।
(द) योजना बनती है क्रियान्वयन होता है। पर वास्तविक लोगों को लाभ नहीं मिलता। (द)
7. जीजी ने दान के पक्ष में क्या तर्क दिए?
(अ) जो हम पाना चाहते हैं पहले उसे दान करना पड़ता है।
(ब) त्याग और भोग में कुछ संबंध नहीं
(स) जीवन में त्याग करने वाले की जीत होती है।
(द) मनुष्य को दानी होना अनिवार्य है। (अ)
8. ''आखिर कब बदलेगी यह स्थिति'' पंक्ति में किस स्थिति की बात कही है ?
(अ) आजादी मिलने की (ब) बारिश होने की
(स) अंधविश्वास औ पाखण्ड (द) भ्रष्टाचार मिटने की (द)
9. लेखक के अनुसार गांधी जी किस बात को सच नहीं मानते थे?
(अ) त्याग और आदर्श (ब) यथा प्रजा तथा राजा
(स) यथा राजा तथा प्रजा (द) चरित्र और संयम (स)
10. लेखक बचपन में कुमार –सुधार सभा में किस पद पर था ?
(अ) सेनापति (ब) सिपाही (स) रक्षामंत्री (द) उपमंत्री (द)

11. गगरी फूटी कौन पियासा ?

(अ) पथिक (ब) बैल (स) पंडित (द) कृषक (ब)

12. ''काले मेघा पानी दे'' संस्मरण के लेखक कौन है ?

(अ) धर्मवीर भारती (ब) जैनेन्द्र कुमार (स) जयशंकर प्रसाद (द) भवानी प्रसाद मिश्र (अ)

लघूत्तरात्मक प्रश्न –

1. इन्दर सेना घर घर जाकर पानी क्यों मांगती थी?
2.. ''गगरी फूटी बैल पियासा'' पंक्ति का भाव देश के सन्दर्भ में समझाइए।
3. ''कौन कहता है इन्हें इन्द्र की सेना'' कथन के व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए ।
4. ''काले मेघा पानी दे'' संस्मरण का मूल भाव स्पष्ट कीजिए।
5. ''हम अपने घर का पानी इन पर फेंकते, वह भी बुवाई है।'' जीजी के इस कथन से क्या आशय है?
6. ''पानी दे गुड़धानी दे'' मेघों से पानी के साथ साथ गुड़धानी की मांग क्यों की जा रही है?
7. इन्दरसेना को लेखक ''मेंढक–मंडली'' क्यों कहता है?
8. वर्षा कराने के अंतिम उपाय के रूप में क्या किया जाता था ?
9. लेखक ने लोगों द्वारा मेंढक मंडली पर पानी फेंके जाने को किस प्रकार अनुचित माना है?

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न–

1. ''काले मेघा पानी दे'' संस्मरण ''विज्ञान के सत्य पर सहज प्रेम की विजय का चित्र प्रस्तुत करता है।'' कथन को स्पष्ट कीजिए।
2. 'काले मेघा पानी दे' संस्मरण में लेखक ने लोक मान्यताओ के पीछे छिपे किस तर्क को उभारा है? पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।
3. आजादी के 50 वर्षों के बाद भी लेखक क्यों दुखी है, उसके मन में कौनसे प्रश्न उठ रहे है? ''काले मेघा पानी दे'' संस्मरण के आधार पर बताइए।
4. 'काले मेघा पानी दे' संस्मरण में लोक प्रचलित विश्वास और विज्ञान के द्वन्द्व का सुन्दर चित्रण है। इस सम्बन्ध में तर्क सहित अपना मत लिखिए।
5. इन्द्रसेना सबसे पहले गंगा मैया की जय बोलती है? इस संदर्भ में नदियों का भारतीय सांस्कृतिक परिवेश में क्या महत्व है? लिखिए।
6. ''काले मेघा पानी दे'' पाठ का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए ।

लेखक परिचय

1. लेखक धर्मवीर भारती का जीवन परिचय लिखिए।

13. फणीश्वरनाथ रेणु

पहलवान की ढोलक

बहुचयनात्मक प्रश्न–

1. अंधेरी रात चुपचाप आँसू क्यों बहा रही है ?

(अ) तारे टूट रहे थे इसलिए (ब) गाँव मे झोंपडियाँ थी इसलिए

(स) जाड़े की रात थी इसलिए (द) गाँव में हैजे और मलेरिया से मौते हो रही इसलिए (द)

2. अनाथ लुट्टन का पालन–पोषण किसने किया ?

(अ) माता–पिता ने (ब) दादा–दादी ने (स) विधवा सास ने (द) राजा साहब ने (स)

3 . लुट्टन को कसरत करने की धुन क्यों सवार हुई ?

(अ) उसकी सास ने कहा था (ब) वह पहलवान बनना चाहता था

(स) कसरत का शौक था

(द) उसकी सास को लोग तंग करते थे बदला लेने हेतु (द)

4. ''वाह रे बहादुर'' पंक्ति में ''बहादुर'' शब्द किस व्यक्ति के लिए प्रयुक्त हुआ?

(अ) राजा साहब (ब) लुटटन सिंह (स) चाँद सिंह (द) मैनेजर साहब (ब)

5. पहलवान की ढोलक कहानी में लुट्टन को राजदरबार से हटाने का मुख्य कारण था–

(अ) कुश्ती हार जाना (ब) लुट्टन पर दैनिक व्यय

(स) लुट्टन का बुढ़ा होना (द) पुरानी सोच का होना (ब)

6. लुट्टन का गुरु कौन था ?

(अ) ढोलक (ब) राजा साहब (स) अध्यापक (द) चाँद सिंह (अ)

7. लुट्टन ने ढोलक की आवाज. "चटाक, चट्–धा" को क्या आदेश माना ?

(अ) मत डरना (ब) वाह पट्ठे (स) उठाकर पटक दे (द) आजा भिड़ जा (स)

8. गाँव के निवासियों में संजीवनी शक्ति भरने का काम किसने किया?

(अ) राजा ने (ब) पहलवान ने (स) वैद्य जनों ने (द) पहलवान की ढोलक ने(द)

RCScE राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद
स्कूल शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार

9. सर्वप्रथम साहित्य में आंचलिक शब्द का प्रयोग किसने किया ?

(अ) जैनेन्द्र (ब) विष्णु खरे (स) फणीश्वर नाथ रेणु (द) धर्मवीर भारती (स)

10. किसमें परिस्थिति को ताड़ने की विशेष बुद्धि होती है?

(अ) मनुष्यों में (ब) पेड़–पौधों में (स) कुत्तों में (द) बच्चों में (स)

11. रात्रि की भीषणता को कौन ललकारता है?

(अ) लुट्टन सिंह (ब) राजा (स) महामारी (द) पहलवान की ढोलक (द)

12. ''बाबा उठा–पटक दो वाला ताल बजाओ" यह किसने कहा?

(अ) गाँव वालों ने (ब) दंगल के पहलवानों ने

(स) पहलवान के लड़कों ने (द) राहगीरों ने (स)

13. लुट्टन द्वारा राजा साहब को गोद में उठाने पर किसने आपत्ति की?

(अ) राजा साहब ने (ब) राज पंडितो के

(स) मैंनेजर ने (द) पंजाब पहलवानों ने (स)

13 "डेढ़ हाथ का कलेजा" मुहावरे का अर्थ है।

(अ) कमजोर होना (ब) अत्यधिक प्रसन्न होना

(स) अत्यधिक साहसी होना (द) मेहनती होना (स)

लघूत्तरात्मक प्रश्न

1. 'गाँव भयार्त शिशु की तरह थर थर काँप रहा था' गाँव की ऐसी दशा क्यों थी ?
2. पहलवान की ढोलक संध्या से लेकर प्रातः काल तक बजकर क्या सन्देश देना चाहती थी?
3. लुटटन पर कसरत की धुन क्यों सवार हुई थी ? और उसका क्या परिणाम हुआ?
4. "ढोल में तो जैसे पहलवान की जान बसी थी " पहलवान की ढोलक" पाठ के आधार पर सिद्ध कीजिए ।
5. लुट्न को गाँव वापस क्यों लौटना पड़ा ?
6. रात के भयानक सन्नाटे में लुटटन की ढोलक क्या करिश्मा करती थी ?
7. लुट्टन पहलवान की अन्तिम इच्छा क्या थी ?
8. पहलवान लुट्टन को राजदरबार का दर्शनीय जीव क्यों कहा जाता था?
9. पंजाबी पहलवानों की जमात चाँद सिंह की आँखें क्यों पोंछ रही थी ?

10 "मेरा गुरू कोई पहलवान नहीं यहीं ढोल है" लुट्टन ने ऐसा क्यों कहा होगा ? बताइए ।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न–

1. "पहलवान की ढोलक" कहानी का प्रतिपाद्य बताइए।

2. ढोलक की आवाज और लुटटन के दाँवपेंच के संबंध को शब्दों में लिखिए।

3. गाँव में महामारी फैलने और अपने बेटों के देहांत के बावजूद लुट्टन पहलवान ढोलक क्यों बजाता रहा? स्पष्ट कीजिए।

4. 'पहलवान की ढोलक' कहानी में किस प्रकार पुरानी व्यवस्था और नई व्यवस्था के टकराव से उत्पन्न समस्या को व्यक्त किया गया है ? लिखिए।

5 ''ढोलक की थाप मृत गाँव में संजीवनी शक्ति भरती रहती थी।'' संस्मरण के आधार पर कला से जीवन के सम्बन्ध को ध्यान में रखते हुए अपने विचार लिखिए।

लेखक परिचय

1. लेखक 'फणीश्वरनाथ नाथ रेणु' का जीवन परिचय लिखिए।

14. हजारी प्रसाद द्विवेदी

शिरीष के फूल

बहुचयनात्मक प्रश्न–

1. लेखक ने शिरीष को क्या संज्ञा दी है ?
   (अ) पुष्प की (ब) अवधूत (स) फक्कड़ (द) अनासक्त (ब)
2. लेखक को कवियों की कौनसी बात बुरी लगती है ?
   (अ) वे वजन का ख्याल नही रखते (ब) वे प्रकृति चित्रण उचित नहीं करते
   (स) अतिशयोक्ति पूर्ण वर्णन (द) सभी विकल्प सही है। (अ)
3. पुराने कवि किस पेड़ की डाली पर झूला डालने की बात करते हैं ?
   (अ) शिरीष (ब) आम (स) बकुल (द) अशोक (अ)
4. भीषण गर्मी और लू के बीच किस पेड़ के फूल खिले रहते हैं ?
   (अ) अमलतास (ब) वट (स) शिरीष (द) अशोक (स)
5. लेखक ने जगत के अतिप्रमाणिक सत्य किसे माना है ?
   (अ) जरा–मृत्यु (ब) धन–दौलत (स) माया–मोह (द) गृहस्थ–सन्यासी (अ)
6. संसार की सबसे सरस रचनाएँ किसके मुँह से निकली है ?
   (अ) गृहस्थों के (ब) अवधूतों के (स) राजाओं (द) पण्डितों (ब)
7. कालिदास शकुंतला का वर्णन करने में क्यों सफल रहे हैं ?
   (अ) क्योंकि उन्हें संस्कृत का ज्ञान था (ब) क्योंकि वे जंगल में अकेले रहते थे
   (स) क्योंकि उन्हें माता काली का आशीर्वाद मिला था
   (द) क्योंकि वे विदग्ध अनासक्त, स्थिर प्रज्ञ प्रेमी थे। (द)
8. संस्कृत साहित्य में शिरीष के फूल को क्या माना गया है ?
   (अ) कठोर (ब) स्वच्छ (स) ठडा (द) कोमल (द)
9. पुराने फलों को अपने स्थान से न हटते देखकर कवि को किसकी याद आती है?
   (अ) नेताओं की (ब) बुजुर्गो की (स) गाँधी जी की (द) कालिदास (अ)
10. ''कृषीवल'' शब्द का क्या अर्थ है?
   (अ) किसान (ब) मजदूर (स) बैल (द) अन्न (अ)
11. शिरीष के वृक्ष कैसे होते हैं ?
   (अ) बड़े और छायादार (ब) चौड़े और घने (स) लम्बे और चौड़े (द) छोटे ओर छायादार (अ)
12. उमस और लू में कौन सा पेड़ कालजयी अवधूत की भांति अजेय है?
   (अ) पलाश (ब) कुटज (स) शिरीष (द) गुलमोहर (स)

लघूत्तरात्मक प्रश्न

1. शिरीष के अवधूत रूप के कारण लेखक को किस महात्मा की याद आती है ? और क्यों ?
2. लेखक ने शिरीष के माध्यम से किस द्वन्द्व को व्यक्त किया है? और क्यों?
3. ''ऐसे दुमदारों से तो लँडूरे भले'' इस पंक्ति आशय स्पष्ट कीजिए।
4. विज्जिका ने ब्रह्मा, वाल्मीकि और व्यास के अतिरिक्त किसी को कवि क्यों नहीं माना?
5. शिरीष के फलों को राजनेताओं का रूपक क्यों दिया गया है ?
6. गाँधी जी और शिरीष में क्या समानता है? निबन्ध के आधार पर बताइए ।
7. लेखक के अनुसार ''शिरीष के फूल'' निबन्ध का उद्देश्य लिखिए।
8. शिरीष को देखकर लेखक के मन में हुक क्यों उठती है?
9. ''शिरीष के पुष्प को शीतपुष्प भी कहा जाता है'' क्यों?
10. निबन्धकार का ''अधिकार लिप्सा'' से क्या आशय है?

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न–

1. शिरीष के फूल ललित निबन्ध का मूल प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।
2. शिरीष कालजयी अवधूत की भाँति जीवन की अजेयता के मंत्र का प्रचार करता है निबंध के आधार पर कथन को सिद्ध कीजिए।
3. कालीदास ने शिरीष की कोमलता और द्विवेदी जी ने उसकी कठोरता के विषय में क्या कहा है? निबन्ध के आधार पर स्पष्ट कीजिए।
4. हाय वह अवधूत आज कहाँ है? ऐसा कहकर लेखक ने आत्मबल पर देहबल के वर्चस्व की वर्तमान सभ्यता के किस संकट की और संकेत किया है? स्पष्ट कीजिए।
5. ''प्रकृति के माध्यम से आचार्य द्विवेदी ने लालित्य दिखाने का सफल प्रयास किया है।'' ''शिरीष के फूल'' निबन्ध के आधार पर कथन को सिद्ध किजिए ।
6. द्विवेदी जी ने शिरीष के माध्यम से कोलाहल व संघर्ष से भरी जीवन – स्थितियों में अविचल रह कर जिजीविषु बने रहने की सीख दी है। निबन्ध के आकार पर कथन की विस्तृत विवेचना कीजिए।

लेखक परिचय

1. लेखक हजारी प्रसाद द्विवेदी का परिचय लिखिए।

15. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर

1. श्रम विभाजन और जाति प्रथा

2. मेरी कल्पना का आदर्श समाज

बहुचयनात्मक प्रश्न–

1. सक्षम श्रमिक समाज के निर्माण के लिए क्या आवश्यक हैं?
   (अ) समानता (ब) समर्थन
   (स) समान विभाजन (द)व्यवसाय चयन की स्वंतत्रता (द)
2. जाति प्रथा का दूषित सिद्धान्त क्या है ?
   (अ) जाति व्यवस्था सर्वोपरी (ब) जाति आधारित व्यवसाय का चयन
   (स) जाति का विभाजन (द) समान दृष्टिकोण (ब)
3. लेखक के अनुसार दासता क्या है?
   (अ) अन्य द्वारा निर्धारित कर्तव्यों का पालन करना (ब) दुसरों के कर्तव्य का पालन न करना
   (स) राजनैतिक पराधीनता (द) व्यवसाय चयन की स्वतंत्रता (अ)
4. आधुनिक सभ्य समाज कार्य कुशलता के लिए किसे आवश्यक मानता है?
   (अ) जाति–प्रथा (ब) शिक्षा (स) श्रम विभाजन (द) प्रोत्साहन (स)
5. किस देश की जाति प्रथा ऊँच–नीच में भेदभाव करती है?
   (अ) चीन (ब) भारत (स) अमेरिका (द) जापान (ब)
6. जाति–प्रथा समाज में क्या पैदा करती है?
   (अ) समानता (ब) ऊँच–नीच का भेदभाव (स) गरीबी (द) कार्यकुशलता (ब)
7. राजनीतिज्ञ के व्यवहार की एक मात्र कसौटी क्या है?
   (अ) समता (ब) बन्धुता (स) अराजकता (द) स्वतंत्रता (अ)
8. बाबा साहेब अम्बेडकर ने किस प्रकार के समाज की कल्पना की है?
   (अ) स्वतंत्र समाज (ब) समान समाज (स) आदर्श समाज (द) गतिशील समाज (स)
9. स्वतंत्रता, समता, भ्रातृता पर आधारित समाज को लेखक ने कैसा समाज कहा है?
   (अ) मिश्रित समाज (ब) स्वतंत्र समाज (स) आदर्श समाज (द) बहूल समाज (स)
10. समाज के सभी लोगों को आरंभ से क्या उपलब्ध कराना चाहिए?
    (अ) अच्छा घर (ब) अच्छा भोजन (स) समान अवसर (द) तकनीकी शिक्षण (स)
11. समता को बढ़ावा देने से समाज में किसकी स्थापना होगी?
    (अ) भेदभाव की (ब) मानवता की
    (स) धार्मिकता की (द) क्षमताओ पर भिन्न व्यवहार की (ब)

लघूत्तरात्मक प्रश्न

1. जाति प्रथा का दोष क्या है?
2. डॉ. अंबेडकर अपनी कल्पना में समाज का कैसा रूप देखते हैं?
3. लेखक की दृष्टि में लोकतंत्र क्या है?
4. डॉ. अम्बेडकर समता को कैसी वस्तु मानते हैं। तथा क्यों ?
5. लेखक के अनुसार दासता क्या है?
6. भारत की जाति प्रथा की क्या विशेषता है?.
7. भारत में श्रमिकों का अस्वाभाविक विभाजन है कैसे ?
8. डॉ. अम्बेडकर समता को काल्पनिक वस्तु क्यों मानते हैं ?
9. जातिवाद के समर्थन का मुख्य आधार क्या बताया जाता है ?
10. लेखक आज के उद्योगों में गरीबी और उत्पीड़न से भी बडी समस्या किसे मानते हैं ? और क्यों?

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न–

1. ''जाति–प्रथा भारतीय समाज में बेरोजगारी व भुखमरी का कारण कैसे बनती रही है'' ? पाठ के आधार पर स्पष्ट किजिए
2. जाति–प्रथा को श्रम विभाजन का ही रूप मानने के पीछे डा० अम्बेडकर के क्या तर्क है? स्पष्ट कीजिए।
3. जाति और श्रम विभाजन में बुनियादी अन्तर क्या है? ''श्रम विभाजन और जाति–प्रथा'' अध्याय के आधार पर स्पष्ट किजिए?
4. असमान प्रयत्न के कारण असमान व्यवहार से आप क्या समझते हैं? इस दृष्टिकोण से आप कहाँ तक सहमत है? तर्क सहित स्पष्ट कीजिए।

लेखक परिचय

1. बाबा साहेब अम्बेडकर का परिचय लिखिए ।

वितान

17. मनोहर श्याम जोशी

सिल्वर वैडिंग

बहुचयनात्मक प्रश्न–

1. यशोधर बाबू का विवाह कब हुआ था?

(अ) 6.02.1947 (ब) 6.02.1946 (स) 05.02.1947 (द) 6.02.1945 (अ)

2. यशोधर बाबू के कितने बेटे थे?

(अ) दो (ब) तीन (स) चार (द) एक (ब)

3. किशन दा का पूरा नाम क्या था?

(अ) कृष्ण पांडे (ब) कृष्णानन्द पांडे (स) किशन पांडे (द) कृष्ण व्यास (ब)

4. यशोधर बाबू का जीवन किससे प्रभावित था?

(अ) किशन दा (ब) अपने ताउजी (स) अपने पिताजी (द) अपनी पत्नी (अ)

5. 'सिल्वर वैडिंग' कहानी की मूल संवेदना किसे कहेगे?

(अ) हाशिए पर धकेले जाते मानवीय मूल्य (ब) पीढी का अन्तराल

(स) पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव (द) अ एवं ब दोनों (द)

6. यशोधर बाबू के बेटे भूषण ने उन्हे शादी की 25 वी वर्षगांठ पर क्या उपहार दिया?

(अ) कुर्ता पजामा (ब) उनी ड्रेसिंग गाउन (स) घडी (द) साईकिल (ब)

7. कहानी में ''जो हुआ होगा'' ओर ''समहाउ इम्प्रापर'' इन जुमलो में कौनसा भाव निहित है ?

(अ) यथास्थिति का भाव (ब) अनिर्णय की स्थिति (स) द्वन्द्व का भाव (द) उपर्युक्त सभी (द)

8. यशोधर बाबू की पत्नी मूल संस्कारों से आधुनिक न होते हुए भी आधुनिकता में कैसे ढल गई?

(अ) बच्चों की तरफदारी करने की मातृसुलभ मजबूरी के कारण

(ब) वक्त को देखते हुए

(स) मन की इच्छा से

(द) कोई नहीं (अ)

9. किशन दा की किस परम्परा को यशोधर ने जीवंत रखा?

(अ) घर में होली गवाना (ब) जन्मदिन मनाना

(स) शादी की वर्षगांठ मनाना (द) भोज का आयोजन (अ)

10. किशन दा के मानस पूत्र कौन थे?

(अ) जनार्दन जोशी (ब) भगवान दास (स) यशोधर पंत (द) भूषण (स)

RCScE राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद
स्कूल शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार

11. किशन दा की परम्पराओं को जीवित रखने की कोशिश में यशोधन बाबू ने किसको नाराज किया?

(अ) गिरीश को (ब) अपनी पत्नी को (स) अपने बच्चों को (द) अपने पिता को (ब)

12. कहानी में ''चूनेदानी'' शब्द का प्रयोग किसके सन्दर्भ में हुआ?

(अ) घड़ी के लिए (ब) साईकिल (स) पोशाक (द) चश्मे के लिए (अ)

13. नई पीढ़ी का रवैया पाठ में कैसा है?

(अ) संवेदनशील (ब) अंसवेदनशील (स) सहयोगत्मक (द) सहानुभूतिपूर्ण (ब)

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

1. दफ्तर से घर लौटने में यशोधर बाबू को देर क्यों हो जाती थी ?
2. यशोधर बाबू की कहानी को दिशा देने में किशन दा की क्या भूमिका रही है?
3. ''सिल्वर वैडिंग'' कहानी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए?
4. यशोधर बाबू के सिल्वर वैडिंग के विषय में क्या विचार थे ?
5. यशोधर बाबू ने आजीवन अपना घर क्यों नहीं बनाया ?
6 ''सिल्वर वैडिंग'' कहानी में किस प्रवृत्ति पर व्यंग्य किया गया है?
7. 'सिल्वर वैडिंग' कहानी से क्या शिक्षा मिलती है?
8 ''वर्तमान समय में मानवीय जीवन मूल्य हाशिए पर धकेले जा रहे हैं'' 'सिल्वर वैडिंग' कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए।
9.. क्या पीढ़ियों के अन्तराल में जीवन मूल्य बदल जाते हैं? कथन की पुष्टि कीजिए।
10. ग्रामीण परिवेश से आये लोग किस तरह शहरी जीवन से प्रभावित होकर अपनी जीवन शैली बदल देते हैं? ''सिल्वर वेडिंग'' कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

1. सिल्वर वैडिंग कहानी आधुनिक पारिवारिक मूल्यों के विघटन का यथार्थ चित्रण है। उदाहरण सहित कथन की विवेचना कीजिए।
2. यशोधर बाबू का व्यक्तित्व समय के साथ आ रहे सामाजिक बदलावों के साथ तालमेल क्यों नहीं बैठा पाया? कारण सहित स्पष्ट कीजिए।

अथवा

''सिल्वर वेडिंग वर्तमान युग में बदलते जीवन मूल्यों की कहानी है।'' उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए?

3. ''सिल्वर वैडिंग'' कहानी का कथानक पाश्चात्य संस्कृति का अन्धानुकरण एवं बदलते मानवीय मूल्यों की प्रदर्शनी है। कथन की सोदाहरण विवेचना कीजिए।
4. ''नवीन पीढ़ी और पुरानी पीढ़ी के जीवन मूल्यों के मध्य सदैव टकराहट चलती रहती है।'' सिल्वर वैडिंग कहानी के आधार पर कथन की समीक्षा कीजिए।

18. आनन्द यादव

''जूझ''

बहुचयनात्मक प्रश्न–

1. दादा कोल्हू जल्दी क्यों लगाना चाहते थे ?

(अ) काम जल्दी खत्म करने के लिए (ब) गुड़ की ज्यादा कीमत के लिए

(स) दूसरी फसल के लिए (द) आराम के लिए (ब)

2. "जूझ" कहानी के शीर्षक का अर्थ है–

(अ) संघर्ष करना (ब) चालाकी (स)कठिनाई (द) मेहनत करना (अ)

3. 'जूझ' कहानी किस उपन्यास से ली गई है ?

(अ) गुजराती उपन्यास ''नटरंग'' (ब) गुजराती उपन्यास "झोबी"

(स) मराठी उपन्यास "नटरंग" (द) मराठी उपन्यास ''झोबी'' (द)

4. लेखक के पिता ने उनकी पढ़ाई कब छुड़वा दी ?

(अ) चौथी कक्षा में (ब) पाँचवी कक्षा में (स) छठी कक्षा में (द) सातवीं कक्षा में (ब)

5. लेखक के पिता का नाम क्या था ?

(अ) कनहप्पा (ब) राजप्पा (स) रत्नाप्पा (द) सरहप्पा (ब)

6. लेखक की कक्षा के मॉनीटर का नाम क्या था ?

(अ) वसंत पाटिल (ब) च्वहाण पाटिल (स) मनोहर (द) राव का लड़का (ब)

7. पाठशाला जाने की बात लेखक ने सबसे पहले किससे की ?

(अ) दादा (ब) माँ से (स) दत्ताजी राव (द) सौंदलगेकर (ब)

8. सौंदलगेकर किस विषय के अध्यापक थे ?

(अ) अंग्रेजी के (ब) गणित (स) मराठी का (द) संस्कृत (स)

9. लेखक पढ़ना क्यों चाहता है?

(अ) ज्ञान के लिए (ब) कवि बनने के लिए

(स) विद्वान बनने के लिए (द) नौकरी के लिए (द)

RCScE राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद
स्कूल शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार

10 ''जूझ'' कहानी से क्या शिक्षा मिलती है?

(अ) खेतीबाड़ी में कोई भविष्य नही होता ।

(ब) अच्छे कार्यो के लिए झूठ बोलना गलत नहीं है।

(स) सहपाठी तो मस्ती मजाक करते ही है।

(द) जीवन में कितनी तकलीफें क्यो न आयें, हमे हमेशा जुझारु रहना चाहिए । (द)

11. लेखक किस बच्चे से प्रभावित होकर पढ़ाई के सभी काम करने लगा ?

(अ) वसंता सैनी (ब) बसंत (स) वसंत पाटिल (द) गणेश (स)

12. मास्टर सौंदलगेकर किन कवियों के साथ अपनी मुलाकात के संस्मरण सुनाते ?

(i) दिनकर, नरेन्द्र कोहली (ii) निराला जी

(iii) बोरकर, ताँबे (iV) गिरीश और केशव कुमार

उपरिलिखित कथनों में से कौन–सा/कौन से सही हैं।

(अ) कवेल (i) (ब) केवल (ii)

(स) (ii) और (iii) (द) (iii) और (iv) (द)

13. "चाँद रात पसरिते" कविता के सम्बन्ध में कौनसी बात सत्य है ?

(अ) दिनकर है (ब) यह अनंत काणेकर द्वारा रचित

(स) यह केराव कुमार रचित है (द) यह सौदलगेकर रचित है (ब)

14. 'जूझ' पाठ के अनुसार लेखक ने अपनी जन्मजात प्रवृत्तियों का परिचय किस प्रकार दिया ?

(अ) विद्यालय में प्रवेश लेकर (ब) पिता का विरोध करके

(स) नए नए विषयो पर कविता लिखकर (द) माता की आज्ञा का पालन करके (स)

I5. आनन्दा जब पहले दिन पाठशाला गया तो उसकी क्या प्रतिक्रिया हुई ?

(अ) उसकी खुशी का ठिकाना ना रहा (ब) वह क्रोधित हुआ–

(स) वह अत्यंत उदास था (द) उसकी कोई प्रतिक्रिया नहीं थी (स)

16. कहानी में आनंदा लेखन का अभ्यास कैसे करता था?

(अ) मिटटी पर लिखकर (ब) श्यामपट्ट पर लिखकर

(स) अपने पशुओं की पीठ पर लिखकर (द) दीवारों पर लिखकर (स)

17 लेखक के कक्षा अध्यापक का नाम क्या था?

(अ) वसंत (ब) सौंदलगेकर (स) मंत्री (द) मोहन (स)

लघूत्तरात्मक प्रश्न

1. लेखक का पाठशाला में विश्वास कैसे बढ़ा ? 'जूझ' कहानी के आधार पर बताइए।

2 'जूझ' के लेखक में कविता रचना के प्रति रुचि कैसे उत्पन्न हुई ?

3. 'जूझ' कहानी से क्या शिक्षा मिलती है?

4. ''जूझ मे गँवई (ग्रामीण) जीवन के यथार्थ से जूझने का जीवंन चित्रण है।" इस कथन पर टिप्पणी लिखिए।

5 ''अकेलापन अथवा एकान्त मनुष्य को योग्य बनाता है" 'जूझ' पाठ के आधार पर सिद्ध कीजिए।

6. कविताएँ रचते हुए किन दो शक्तियों को पाने की बात लेखक ने की है ?

7. लेखक के पिता ने बेटे के सामने स्कूल जाने के लिए क्या शर्त रखी ?

8. दत्ताराव ने लेखक की पढ़ाई की समस्या का समाधान किस प्रकार किया ?

9. लेखक का अकेलापन कैसे गायब हो गया ?

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

1. "जूझ" कहानी ''आधुनिक किशोर–किशोरियों को किन जीवन मूल्यों की प्रेरणा दे रही है" सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

2. ''जूझ कहानी प्रतिकूल परिस्थितियों के बीच संघर्ष की कहानी है" कथन की सोदाहरण विवेचना कीजिए।

3. "जूझ'' कहानी के किस पात्र ने आपको सर्वाधिक प्रभावित किया और क्यों ? उसकी चारित्रिक विशेषताएँ बताइए।

4. "आज भी समाज को दत्ता जी राव जैसे व्यक्तित्व की आवश्यकता है वर्तमान की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए कथन की पुष्टि कीजिए।

5. "कथानायक के पिता उसे स्कूल क्यों नही भेजना चाहते थे'' कथन पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए।

अथवा

''जूझ'' कहानी में लेखक के पिता बेटे की पढ़ाई–लिखाई के पक्ष में क्यों नहीं था? कारण सहित स्पष्ट कीजिए।

19. ओम थानवी

अतीत मे दबे पांव

बहुचयनात्मक प्रश्न–

1. ''अतीत मे दबे पांव'' पाठ के लेखक कौन है?
   (अ) ओम थानवी (ब) जयशंकर प्रसाद (स) उमाशंकर जोशी (द) मनोहर श्याम जोशी (अ)
2. ''अतीत मे दबे पांव'' पाठ में किस सभ्यता का वर्णन है?
   (अ) मिश्र की सभ्यता (ब) मुअनजो–दड़ों (स) हडप्पा सभ्यता (द) कांस्ययुगीन सभ्यता (ब)
3. मुअनजो–दड़ों किस नदी के तट पर स्थित है?
   (अ) सिन्धु (ब) सरयू (स) गंगा (द) झेलम (अ)
4. मुअनजो–दड़ों की खोज किसने की?
   (अ) व्योमकेश बनर्जी (ब) राखलदास बनर्जी (स) बंकिम चन्द्र चटर्जी (द) सी.पी. बनर्जी (ब)
5. भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के तत्कालीन महानिदेशक कौन थे?
   (अ) जॉन मार्शल (ब) आर.एम जोनसन (स) ए.पी एलेक्जेडर (द) कोई नहीं (अ)
6. आर.डी. बनर्जी ने मुअनजो–दड़ों की खोज कब की?
   (अ) 1921 (ब) 1922 (स) 1923 (द) 1924 (ब)
7. मुअनजो–दड़ों किसकी अनूठी मिसाल है?
   (अ) नगर–नियोजन (ब) भवन निर्माण (स) शिक्षा (द) स्वछता (अ)
8. सिन्धु घाटी सभ्यता कितने साल पुरानी सभ्यता है?
   (अ) 4000 (ब) 300 (स) 5000 (द) 2000 (स)
9. मुअनजो–दड़ों का समाज कैसा था ?
   (अ) सुसंस्कृत व साक्षर (ब) असाक्षर (स) असभ्य व जंगली (द) स्वार्थी (अ)
10. लेखक के अनुसार मुअनजो–दड़ों की आबादी लगभग कितनी थी?
    (अ) 75000 (ब) 80000 (स) 85000 (द) 90000 (स)
11. सिन्धु घाटी संस्कृति किस प्रकार की मानी जाती है?
    (अ) पहाडी संस्कृति (ब) मैदानी संस्कृति (स) वनवासी संस्कृति (द) पाश्चात्य संस्कृति (ब)
12. मुअनजो–दड़ों का अर्थ क्या है?
    (अ) मुर्दो का टीला (ब) पहाड की चौटी (स) मुर्दो का खेल (द) मैदानी भाग (अ)
13. ''अतीत में दबे पांव'' पाठ के अनुसार यहाँ किस फसल के साक्ष्य नहीं मिले ?
    (अ) गेंहू (ब) ज्वार (स) बाजरा (द) कपास (द)

RCScE राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद
स्कूल शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार

14. ''अतीत में दबे पांव'' पाठ के अनुसार काशीनाथ दीक्षित को किस धातु की सुईया मिली?

(अ) लोहा (ब) तांबा (स) सोना (द) पीतल (स)

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

1. सिन्धु घाटी सभ्यता को ''जल सभ्यता'' कहा जा सकता है ? कथन को स्पष्ट कीजिए ।

2. पुरातत्ववेत्ताओं ने किस भवन को ''कॉलेज ऑफ प्रीस्ट्स'' कहा है? और क्यों?

3. मुअनजो–दड़ों और चंडीगढ़ के नगरशिल्प में क्या समानता पाई जाती है ?

4. 'मुअनजो–दड़ों में रंगरेज का कारखाना भी था'' कथन को स्पष्ट कीजिए।

5. मुअनजो–दड़ों की सभ्यता को ''लो–प्रोफाइल सभ्यता'' क्यों कहा है ?

6. मुअनजो–दड़ों मे प्राप्त वस्तुओं में औजार तो है, पर हथियार नहीं'' कथन को स्पष्ट कीजिए ।

7 सिधु–सभ्यता में खेती का उन्नत रूप भी देखने को मिलता है। स्पष्ट कीजिए

8 पुरातत्वविदों ने सिन्धु घाटी सभ्यता को ''तर–सभ्यता'' क्यों कहा है? स्पष्ट कीजिए।

9. मुअनजो–दड़ों के प्रसिद्ध जलकुण्ड (महाकुण्ड) की विशेषताएँ बताइए?

दीर्घतरात्मक प्रश्न

1. ''सिन्धु सभ्यता साधन सम्पन्न थी पर इसमें भव्यता का आडम्बर नहीं था'' प्रस्तुत कथन को तर्क सहित स्पष्ट कीजिए।

2. ''टूटे–फूटे खण्डहर सभ्यता और संस्कृति के इतिहास के साथ साथ धड़कती जिन्दगियों के अनछुए समयों का भी दस्तावेज है''– ''अतीत में दबे पांव'' पाठ के आधार पर कथन की पुष्टि कीजिए ।

3. ''सिन्धु सभ्यता का सौन्दर्य बौध समाज–पोषित था''। अतीत में दबे पांव पाठ के आधार पर स्पष्ट किजिए।

4. ''सिंधु सभ्यता ताकत से शासित होने की अपेक्षा समझ से अनुशासित सभ्यता थी''। अतीत में दबे 'पांव' के आधार पर स्पष्ट कीजिए,

5. मुअनजो–दड़ों की नगर–योजना आज की सेक्टर–मार्का कॉलोनियों के नीरस नियोजन की अपेक्षा ज्यादा रचनात्मक है। कथन की विवेचना कीजिए।

6. सिंधु सभ्यता में नगर नियोजन से भी कही ज्यादा सौन्दर्य बोध के दर्शन होते हैं ''अतीत में दवे पांव'' पाठ के आधार पर कथन की पुष्टि कीजिए।

20. अभिव्यक्ति और माध्यम

"विभिन्न माध्यमों के लिए लेखन"

बहुचयनात्मक प्रश्न–

1. श्रव्य जनसंचार का माध्यम कौनसा है ?

(अ) समाचार पत्र (ब) रेडियो (स) इंटरनेट (द) टेलीविजन (ब)

2. भारत में पहला छापाखाना कब व कहाँ लगाया गया ?

(अ) 1556, गोवा (ब) 1546, कोलकाता (स) 1656, दिल्ली (द) 1578, कानपुर (अ)

3. इनमें से कौन–सा उल्टा पिरामिड शैली का अंग नहीं है?

(अ) इंट्रो (ब) बॉडी (स) मध्य भाग (द) समापन (स)

4. हिन्दी मे नेट पत्रकारिता किसके साथ आरंभ हुई ?

(अ) दैनिक भास्कर के साथ (ब) वैब दुनिया के साथ

(स) दैनिक जागरण के साथ (द) उपरोक्त सभी के साधु (ब)

5. क्रिकेट मैच का प्रसारण, किस प्रकार का है ?

(अ) लाइव (ब) फोन–इन (स) एंकर बाइट (द) पैकेज (अ)

6. भारत में इंटरनेट पत्रकारिता का दूसरा दौर कब आरम्भ हुआ ?

(अ) 2001 (ब) 2002 (स) 2003 (द) 2005 (स)

7. समाचार पत्र में खबरों को प्रकाशित या प्रसारित करने के लिए आखिरी समय सीमा को क्या कहा जाता है?

(अ) ब्लु लाइन (ब) रेड लाइन (स) डैड लाइन (द) ब्लेड लाइन (स)

8. ऑल इंडिया रेडियो की विधिवत स्थापना कब हुई ?

(अ) 1936 (ब) 1928 (स) 1935 (द) 1947 (अ)

9. एफ.एम. रेडियो की शुरुभात कब से हुई ?

(अ) 1995 (ब) 1993 (स) 1990 (द) 1991 (ब)

10. किसी भी खबर को सम्पूर्णता के साथ पेश करना क्या कहलाता हैं ?

(अ) एंकर– बाइट (ब) लाइव (स) एंकर–पैकेज (द) फोन –इन (स)

11. समाचार के इंट्रो या लीड़ को हिन्दी में किस नाम से जानते हैं ?

(अ) मुखड़ा (ब) दर्पण (स) बॉडी (द) समापन (अ)

12. प्रिंट मीडिया (मुद्रण माध्यम) की शुरुआत मानी जाती हैं–

(अ) जापान (ब) चीन (स) अमेरिका (द) भारत (ब)

13. "रेंनेसा" शब्द का अर्थ है–

(अ) पुनर्जागरण (ब) नवजागरण (स) रात्रिजागरण (द) जागरण (अ)

14. आधुनिक छापेखाने के आविष्कार का श्रेय किसे दिया जाता है?

(अ) गुटेनबर्ग (जर्मनी) (ब) एस. जोनाथन (अफ्रीका)

(स) कन्प्युशियस (चीन) (द) इमर्सन (अमेरिका) (अ)

15. हिन्दी नेट संसार का सम्पूर्ण पोर्टल किसे माना जाता है?

(अ) नया समूह (ब) नयी दुनिया (स) नया राज (द) कोई नहीं (ब)

16. इंटरनेट पत्रकारिता में भारत की पहली साइट किसे माना जाता है?

(अ) सीफी (ब) इंडिया इनफो लाइन (स) रीडिफ़ डॉटकाम (द) तहलका डोटकाम (स)

17. रेडियो समाचार लेखन में तैयार की जा रही समाचार कॉपी मे शब्दों को कितने स्पेस (दूरी) मे लिखा जाता है।

(अ) एकल स्थान (ब) ट्रिपल स्पेस (स) डबल स्पेस (द) कोई नहीं (ब)

18. रेडियो समाचार लेखन में । से 10 तक की संख्याए लिखी जाती है।

(अ) अंको में (ब) उर्दू में (स) शब्दो में (द) कोई नही (स)

19. नई वेब भाषा में HTML की फुल फॉर्म क्या है?

(अ) हाइपर टेक्स्ट मॉडिफाई, लैंग्वेज । (ब) हायर टेक्स्ट मॉडिफाई लैंग्वेज।

(स) हाइपर टेक्स्ट मार्कअप लैंग्वेज । (द) हेकर टेक्स्ट मीडिया लैंग्वेज । (स)

20. मूलतः रेडियो कैसा माध्यम है ?

(अ) द्विरेखीय (ब) बुदुरेखीय (स) बेरोजगारी (द) एक रेखीय (लीनियर) (द)

21. विश्व में इन्टरनेट पत्रकारिता का प्रथम दौर माना जाता है –

(अ) 1982 (ब) 1993 (स) 1988 (द) 2002 (अ)

RCScE राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद
स्कूल शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार

22. रेडियो समाचार लेखन में एक लाइन में अधिकतम शब्दो की संख्या होनी चाहिए –

(अ) 10–11 शब्द (ब) 12–13 शब्द (स) 9–10 शब्द (द) 15–16 शब्द (ब)

23. रेडियो समाचार लेखन में 11 से 999 तक की संख्याओं को लिखना चाहिए –

(अ) शब्दों में (ब) अंको में (स) उपरोक्त दोनों में (द) किसी में नहीं (ब)

24. टेलीविजन खबर के कुल कितने चरण होते हैं।

(अ) 5 (ब) 7 (स) 6 (द) 8 (ब)

25. कौन सा अखबार प्रिंट रूप में न होकर सिर्फ इंटरनेट पर ही उपलब्ध है ?

(अ) राजस्थान पत्रिका (ब) हिन्दुस्तान (स) प्रभा साक्षी (द) अमर उजाला (स)

26. रेडियो माध्यम है –

(अ) दृश्य माध्यम (ब) दृश्य–श्रव्य माध्यम (स) श्रव्य माध्यम (द) इनमें से कोई नहीं (स)

27. कौनसा जनसंचार माध्यम निरक्षर व्यक्ति के लिए उपयोगी नहीं है ?

(अ) समाचार पत्र (ब) रेडियों (स) टेलिविजन (द) इनमें से कोई नहीं (अ)

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

1. प्रिंट मीडिया से क्या आशय है ?
2. जनसंचार के मुद्रित माध्यम कौन कौन से है?
3. मुद्रित माध्यम की विशेषताएँ लिखिए।
4. इलेक्ट्रोनिक माध्यम से क्या तात्पर्य है?
5. रेडियो समाचार किस शैली पर आधारित होते हैं ? लिखिए।
6. उल्टा पिरामिड शैली क्या है? कितने भागों में बंटी होती है?
7. दूरदर्शन जनसंचार का किस प्रकार का माध्यम है ? लिखिए।
8. टेलीविजन खबरों के विभिन्न चरणों को समझाइए।
9. इंटरनेट क्या है?
10 इंटरनेट पत्रकारिता किसे कहते हैं ?
11. इंटरनेट पर पत्रकारिता करने वाली भारत की पहली साइट कौनसी है ? बताइए।
12 एंकर बाईट क्या है ?

13. ब्रेकिंग न्यूज से आप क्या समझते हैं?

14. नेट–साउंड किसे कहते हैं ?

15. फोन–इन से क्या आशय है ?

16. ड्राई–एंकर किसे कहते हैं ?

17. फ्लेश या ब्रेकिंग न्यूज किसे कहते हैं?

18. मुद्रित माध्यमों की कोई 3 कमियां बताइए ।

19. डेडलाइन किसे कहते हैं?

20. जनसंचार के माध्यम कौन से है ?

21. रेडियो समाचार लेखन की कोई तीन विशेषताएँ बताइए।

22. पत्रकारिता किसे कहते हैं ?

23. भारत में अखबारी पत्रकारिता की शुरुआत कब और कहाँ से हुई ?

24. प्रिंट मीडिया के लाभ बताइए ।

25. रेडियो के विषय में आप क्या जानते हैं? लिखिए।

26. क्लाइमेक्स किसे कहते हैं?

27. उल्टा पिरामिड शैली की विशेषताएँ बताइए ।

28. रेडियो के लिए समाचार कॉपी तैयार करते समय किन–किन किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

29. ''ड्राई–एंकर'' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए ।

30. रेडियो और टेलीविजन में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

31. मुद्रित माध्यम के लेखक और पत्रकारों को क्या सावधानी रखनी पड़ती है ?

21. पठित गद्यांश

निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए ।

(1)

इस दंड–विधान के भीतर कोई ऐसी धारा नहीं थी, जिसके अनुसार खोटे सिक्कों की टकसाल–जैसी पत्नी से पति को विरक्त किया जा सकता। सारी चुगली–चबाई की परिणति, उसके पति प्रेम को बढ़ाकर ही होती थी। जिठानियाँ बात–बात पर धमाधम पीटी–कूटी जाती; पर उसके पति ने उसे कभी उंगली भी नहीं छुआई। वह बड़े बाप की बड़ी बात वाली बेटी को पहचानता था ।

(2)

यहाँ एक अन्तर चीन्ह लेना बहुत जरूरी हैं। मन खाली नहीं रहना चाहिए, इसका मतलब यह नहीं है कि वह मन बंद रहना चाहिए। जो बंद हो जाएगा, वह शून्य हो जाएगा। शून्य होने का अधिकार बस परमात्मा का है जो सनातन भाव से संपूर्ण है। शेष सब अपूर्ण है। इससे मन बंद नहीं रह सकता। सब इच्छाओं का निरोध कर लोगे, यह झूठ है और अगर इच्छानिरोधस्तपः का ऐसा ही नकारात्मक अर्थ हो तो वह तप झूठ है।

(3)

इन बातों को आज पचास से ज्यादा बरस होने को आए पर ज्यों की त्यों मन पर दर्ज है। कभी–कभी कैसे–कैसे संदर्भों में ये बातें मन को कचोट जाती है, हम आज देश के लिए करते क्या है ? मांगें हर क्षेत्र में बड़ी–बड़ी है पर त्याग का कहीं नाम–निशान नहीं है। अपना स्वार्थ आज एकमात्र लक्ष्य रह गया है। हम चटखारे लेकर इसके या उसके भ्रष्टाचार की बातें करते हैं पर क्या कभी हमने जाँचा है कि अपने स्तर पर अपने दायरे में हम उसी भ्रष्टाचार के अंग तो नहीं बन रहे है?

(4)

उसी दिन वह ढोलक कंधे पर लटकाकर अपने दोनों पुत्रों के साथ अपने गाँव में लौट आया और वहीं रहने लगा। गाँव के एक छोर पर, गाँव वालों ने एक झोंपड़ी बाँध दी। वहीं रहकर वह गाँव के नौजवानों और चरवाहों को कुश्ती सिखाने लगा। खाने–पीने का खर्च गाँववालो की ओर से बंधा हुआ था। सुबह शाम वह स्वयं ढोलक बजाकर अपने शिष्यों और पुत्रों को दांव–पेंच सिखाया करता था।

(5)

कालिदास सौंदर्य के बाह्म आवरण को भेदकर उसके भीतर तक पहुँच सकते थे दुख हो कि सुख वे अपना भाव रस उस अनासक्त कृषीवल की भांति खींच लेते थे जो निर्दलित ईक्षुदंड से रस निकाल लेता है। कालिदास महान थे, क्योंकि वे अनासक्त रह सके थे कुछ इसी श्रेणी की अनासक्ति आधुनिक हिन्दी कवि सुमित्रानन्द पंत में है। कविवर रविन्द्रनाथ में यह अनासक्ति थी। एक जगह उन्होंने लिखा है। –राजोद्यान का सिंहद्वार कितना ही अभ्रभेदी क्यों न हो, उसकी शिल्प कला कितनी ही सुंदर क्यों न हो वह यह नहीं कहता कि हममें आकर ही सारा रास्ता समाप्त हो गया।

(6)

जाति–प्रथा के पोषक, जीवन, शारीरिक सुरक्षा तथा संपत्ति के अधिकार की स्वतंत्रता को तो स्वीकार कर लेंगे, परन्तु मनुष्य के सक्षम एवं प्रभावशाली प्रयोग की स्वतंत्रता देने के लिए जल्दी तैयार नहीं होंगे, क्योंकि इस प्रकार की स्वतंत्रता का अर्थ होगा अपना व्यवसाय चुनने की स्वतंत्रता किसी के पास नहीं है, तो उसका उसे दासता से जकड़कर रखना होगा, क्योंकि दासता केवल कानूनी पराधीनता को ही नहीं कहा जा सकता।

पठित पद्यांश

निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

(1)

मैं स्नेह–सुरा का पान किया करता हूँ,
मैं कभी न जग का ध्यान किया करता हूँ,
जग पूछ रहा उनको, जो जग की गाते,
मैं अपने मन का गान किया करता हूँ।
मैं निज उर के उद्‌गार लिए फिरता हूँ,
मैं निज उर के उपहार लिए फिरता हूँ;
है यह अपूर्ण संसार न मुझको भाता,
मैं स्वप्नों का संसार लिए फिरता हूँ।

(2)

अगर वे कभी गिरते हैं छतों के खतरनाक किनारों से
और बच जाते हैं तब तो
और भी निडर होकर सुनहले सूरज के सामने आते हैं।
पृथ्वी और भी तेज घूमती हुई आती है
उनके बैचेन पैरों के पास।

(3)

सारी मुश्किल को धैर्य से समझे बिना
मैं पेंच को खोलने के बजाए
उसे बेतरह कसता चला जा रहा था
क्योंकि इस करतब पर मुझे
साफ़ सुनाई दे रही थी
तमाशबीनों की शाबाशी और वाह वाह।

(4)

कविता एक खिलना है फूलों के बहाने
कविता का खिलना भला फूल क्या जाने !
बाहर भीतर
इस घर, उस घर
बिना मुरझाए महकने के माने
फूल क्या जाने ?

(5)

फिर हम परदे पर दिखलाएंगे
फुली हुई आँख की एक बड़ी तस्वीर
बहुत बड़ी तसवीर
और होठो पर एक कसमसाहट भी
एक और कोशिश
दर्शक
धीरज रखिए
देखिए,
हमें दोनों एक संग रुलाने हैं

(6)

बहुत कालीसिल जरा से लाल केसर से
कि जैस धुल गई हो
स्लेट पर या लाल खड़िया चाक
मल दी हो किसी ने
नील जल में या किसी की
गौर झिलमिल देह
जैसे हिल रही हो ।

(7)

अंगना–अंग से लिपटे भी
आतंक अंक पर काँप रहे हैं।
धनी, वज्र गर्जन से बादल !
त्रस्त – नयन मुख ढॉप रहे हैं।
जीर्ण बाहु, है शीर्ण शरीर,
तुझे बुलाता कृषक अधीर, ऐ विप्लव के वीर।
चूस लिया है उसका सार,
हाड़ – मात्र ही है आधार,
ऐ जीवन के पारावार ।

(8)

खेती न किसान को, भिखारी को न भीख, बलि,
बनिक को बनिज, न चाकर को चाकरी ।
जीविका विहीन लोग सीद्यमान सोच, बस, ।
कहें एक, एकन सो कहाँ जाई, का करी ?
बेदहूँ पुरान कही, लोकहू बिलोकिअत,
सॉकरे सबैं पै, राम! रावरे कृपा करी ।
दारिद–दसानन दबाई दुनी, दीनबन्धु ।
दुरित – दहन देखि तुलसी हहा करी ।।

RCScE राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद
स्कूल शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार

(9)

यह वृतांत दसानन सुनेउ। अति बिषाद पुनि पुनि सिर धुनेऊ।।
ब्याकुल कुंभकरन पहिं आवा। बिबिध जतन करि ताहि जगावा।।
जागा निसिचर देखिअ कैसा। मानहुँ कालु देह धरि बैसा।।
कुंभकरन बूझा कहु भाई। काहे तव मुख रहे सुखाई।।

(10)

कल्पना के रसायनो को पी बीज गल गया
निः शेष; शब्द के अंकुर फूटे,
पल्लव–पुष्पो से नामित हुआ विशेष।
झूमने लगे फल, रस अलौकिक,
अमृत धाराए फूटती रोपाई क्षण की,
कटाई अनंतता की लुटते रहने से जरा भी नहीं कम होती।

23. अपठित पद्यांश/काव्यांश

निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिये गये प्रश्नों के उतर दीजिए।

(1)

नए युग मे विचारों की नई गंगा बहाओ तुम,
कि सब कुछ जो बदल दे ऐसे तूफां मे नहाओ तुम।
अगर तुम ठान लो तो आँधियों को मोड़ सकते हो,
अगर तुम ठान लो से तारे अथवा गगन के तोड़ सकते हो।
अगर तुम ठान लो तो विश्व के इतिहास में अपने–
सुयश का एक नव अध्याय भी तुम जोड़ सकते हो,
तुम्हारे बाहुबल पर विश्व को भारी भरोसा है–
उसी विश्वास को फिर आज जन–जन में जगाओं तुम ।
पसीना तुम अगर इस में अपना मिला दोगे।
करोड़ो दीन–हीनों को नया जीवन दिला दोगे।
तुम्हारी देह के श्रम–सीकरों में शक्ति है इतनी,
कही भी धूल में तुम फूल सोने के खिला दोगे ।
नया जीवन तुम्हारे हाथ का हल्का इशारा है।
इशारा कर वही इस देश को फिर लहलहाओ तुम ।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

1. कवि ने नए युग में विचारों की गंगा बहाने के लिए किसे प्रेरित किया है ?
2. यदि युवा ठान ले तो क्या कर सकते हैं ?
3. करोड़ों दीन–हीनों को नया जीवन किस तरह मिल सकेगा ?
4. "धूल में सोने के फूल खिला देने" का क्या आशय है?
5. जन जन में किस विश्वास को जगाने की बात कही है?
6. उक्त काव्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

(2)

चिडियाँ को लाख समझाओ
कि पिंजडे के बाहर
धरती बड़ी है, निर्मम है,
वहाँ हवा में उसे
अपने जिस्म की गंध तक नहीं मिलेगी।
यूं तो बाहर समुद्र है, नदी है, झरना है,
पर पानी के लिए भटकना है।
यहाँ कटोरी में भरा जल गटकना है।
बाहर दाने का टोटा है
यहाँ चुग्गा मोटा है।
बाहर बहेलिए का डर है
यहाँ निर्द्वन्द्व कठ–स्वर है।
फिर भी चिडियाँ मुक्ति का गाना गाएगी,
मारे जाने की आशंका से भरे होने पर भी
पिंजडे से जितना अंग निकल सकेगा निकालेगी,
पूरा जोर लगाएगी
और पिंजडा टूट जाने या खुल जाने पर उड़ जायेगी।

लघूतरात्मक प्रश्न

1. कवि के अनुसार चिडियाँ के लिए पिंजड़े के बाहर क्या कठिनाई है ?
2. बाहर समुद्र, नदी, झरना होते हुए भी चिड़ियाँ को पानी के लिए क्यो भटकना पडेगा ?
3. ''यहाँ चुग्गा मोटा है" पंक्ति का क्या अभिप्राय है?
4. चिड़ियाँ मुक्ति का गाना क्यों गाएगी?
5. बाहरी वातावरण में चिड़ियाँ को अपनी ही गंध क्यों नही आएगी?
6. उक्त काव्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

(3)

यह अवसर है, स्वर्णिम सुयुग है
खो न इसे नादानी में
रंगरेलियों में, छेड़–छाड़ में
मस्ती में मनमानी मे ।
तरूण, विश्व की बागडोर ले,
तु अपने कठोर कर में,
स्थापित कर रे मानवता
बर्बर नृशंस के उर में।
दंभी को कर ध्वस्त धरा पर
अस्त–त्रस्त पाखंडो को
करूणा शान्ति सुख भर दे,
बाहर में, अपने घर में।
यौवन की ज्वाला वाले
दे अभयदान पद– दलितों को
तेरे चरण शरण में आहत
जग आश्वासन श्वास गहे ।

अतिलघूतरात्मक प्रश्न

1. विश्व की बागडोर किसके हाथों में शोभा पाती है?
2. ''यह अवसर है, स्वर्णिम सुयुग हैं" पंक्ति मे किस अवसर की बात की गई है ?
3. ''दे अभयदान पद–दलितों को'' पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।
4 "बाहर में, अपने घर में" पंक्ति हमारी किस विशेषता का बोध कराती है ?
5 उपर्युक्त काव्यांश का वर्ण्य विषय क्या है?
6. मानवता को कहाँ स्थापित करने की बात कही गई है ?

4

तुमको नया गौरव दे रही है।

राजा बैठे सिंहासन पर; यह ताजों पर आसीन कलम

मेरा धन है स्वाधीन कलम

जिसने तलवार शिवा को दी

रोशनी उधार दिवा को दी

पतवार थमा दी लहरों को

खंजर की धार हवा को दी

अग–जग के उसी विधाता ने, कर दी मेरे आधीन कलम

मेरा धन है स्वाधीन कलम

रस–गंगा लहरा देती है

मस्ती – ध्वज पहरा देती है

चालीस करोड़ की भोली

मेरे अधीन कलम

किस्मत पर पहरा देती है

संग्राम क्रान्ति का बिगुल यही है, यही प्रेम की बीन कलम

मेरा धन है स्वाधीन कलम।

अतिलघूतरात्मक प्रश्न–

1. कवि का धन क्या है?
2. कलम कहाँ आसीन है ?
3. कलम कवि को नया गौरव कैसे दे रही है?
4. चालीस करोड़ की भोली किस्मत पर पहरा देने का क्या अभिप्राय है ?
5. उपर्युक्त पद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।
6. विधाता ने कवि को क्या दी है?

(5)

आओ मिलें सब देश बांधव हार बनकर देश के
साधक बने सब प्रेम से सुख शांतिमय उद्देश्य के।
क्या साम्प्रदायिक भेद से है ऐक्य मिट सकता अहो ?
बनती नहीं क्या एक माला विविध सुमनों की कहों।
रक्खो परस्पर मेल, मन मे छोडकर अविवेकता,
मन का मिलन ही मिलन है, होती उसी से एकता ।
सब वैर और विरोध का बल बोध से वारण करो ।
है भिन्नता में खिन्नता ही एकता धारण करो ।
है कार्य ऐसा कौन–सा साधेन जिसको एकता ।
वो एक एकादश हुए किसने नहीं देखे सुने,
हाँ, शून्य के भी योग से है अंक होते दश गुने ।

अतिलघूतरात्मक प्रश्न

1. कवि किस प्रकार देश वासियों से मिलने की बात कह रहा है ?
2. साम्प्रदायिक विविधता की तुलना किससे की है ?
3. कवि ने किसकी माला बनाने को कहा है ?
4. आपसी मेल कब होगा?
5. एकता का भाव कब बढेगा ?
7. किसके योग से अंक दस गुने हो जाते?

RCScE राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद
स्कूल शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार

¼6½

धर्मराज! यह भूमि किसी की, नहीं क्रीत है दासी।
है जन्मना समान परस्पर, इसके सभी निवासी।
है सबको अधिकार मृत्तिका पोषक–रस पीने का।
विविध अभावों से अशंक होकर जग में जीने का।
सबको मुक्त प्रकाश चाहिए, सबको मुक्त समीरण
बाधा रहित विकास, मुक्त आशंकाओं से जीवन।
उद्भिज नभ चाहते सभी नर, मुक्त गगन में
अपना चरम विकास ढूँढ़ना, किसी प्रकार भुवन में।
न्यायोचित सुख सुलभ नहीं, जब तक मानव–मानव को
चैन कहाँ धरती पर तब तक, शांति कहाँ इस भव को
जब तक मनुज–मनुज का यह, सुख भाग नहीं सम होगा।
शमित न होगा कोलाहल, संघर्ष नहीं कम होगा।
ब्रह्मा से कुछ लिखा भाग्य में, मनुज नहीं लाया है।
अपना सुख उसने अपने, भुज–बल से ही पाया है।
ब्रह्मा का अभिलेख पढ़ा करते निरुद्यमी प्राणी
धोते वीर कुअंक भाल का, बहा भ्रुवों का पानी।
भाग्यवाद आवरण पाप का, और शस्त्र शोषण का
जिससे रखता दबा एक जन, भाग दूसरे जन का।
एक मनुज संचित करता है, अर्थ पाप के बल से
और भोगता उसे दूसरा, भाग्यवाद के छल से।

ç'u&

1. प्रस्तुत पद्यांश में किसको सम्बोधित किया गया है?
2. धरती का पोषक रस पीने का अधिकारी कौन है?
3. यदि धरती पर मनुष्य को न्यायोचित अधिकार नहीं मिलते तो क्या होता है?
4. भाग्यवाद का छल किसे कहा गया है? इस पद्यांश में किस रस की व्यंजना हुई है? उसका स्थायीभाव भी लिखिए।
5. प्रस्तुत पद्यांश में पाप का आवरण किसे कहा गया है ?
6. काव्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

कहे परिवेश– मैं धन्या, कहे यह देश–मैं धन्या,
कलेजा क्लेश से कंपित ये मैं हूँ देश की कन्या !
तुम्हारी चाकरी में नींद पूरी भी ना सोई मैं,
सवेरे द्वार तक आँगन बुहारा फिर रसोई में लगी,
बच्चे पठाए पाठशाला फिर टिफिन–सज्जा,
गई खुद काम पर आई नहीं तुमको तनिक लज्जा,
कि लौटी तो तुम्हे फिर चाहिए सेवा व्रती दासी,
तुम्हे क्या बोध, जीवन शोध, भूखी है कि वो प्यासी !
कहा है आज मैंने जो बराबर भी कहूँगी मैं
बराबर थी बराबर हूँ, बराबर ही रहूँगी मैं।
प्रकृति ने इस युगल छवि को मनोहारी बनाया है,
बराबर शक्ति देकर शीश भी अपना नवाया है।
मैं रचना हूँ चराचर की, मैं नारी हूँ बराबर की
नहीं क्यों तुम मुझे मेरा प्रतीक्षित मान देते हो
कृपाएँ ही लुटाते हो फकत अनुदान देते हो।
ये मैं हूँ देश की कन्या, बहन, पत्नी, जननि जन्या।

ç'u&

1. देश और परिवेश धन्या किसे कहा गया है ? उसकी यथार्थ स्थिति क्या है ?
2. इन काव्य–पंक्तियों में भारतीय महिला के किन दैनिक कार्यों का उल्लेख किया गया है?
3. 'गई खुद काम पर... सेवा व्रती दासी' में पुरुषों की किस मनोवृत्ति का वर्णन हुआ है ?
4. नारी को समाज में सम्मान न मिलकर क्या मिलता है?
5. समाज में महिला के कौन–कौन से रूप हैं?
6. इस काव्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

¼8½

देखकर बाधा विविध, बहु विघ्न घबराते नहीं।
रह भरोसे भाग के, दुःख भोग पछताते नहीं।
काम कितना ही कठिन हो, किन्तु उकताते नहीं।
भीड़ में चंचल बने जो वीर दिखलाते नहीं।
हो गए इक आन में, उनके बुरे दिन भी भले।
सब जगह सब काल में वे ही मिले फूले–फले।
पर्वतों को काटकर सड़कें बना देते हैं वे ।
सैकड़ों मरुभूमि में नदियाँ बहा देते हैं वे।
गर्भ में जलराशि के बेड़ा चला देते हैं वे।
जंगलों में भी महा मंगल रचा देते हैं वे।
भेद नभ–तल का उन्होंने है बहुत बतला दिया।
है उन्होंने ही निकाली तार की सारी क्रिया ।
व्योम को छूते हुए दुर्गम पहाड़ों के शिखर ।
वे घने जंगल जहाँ रहता है तम आठों प्रहर ।
गर्जती जलराशि की उठती हुई ऊँची लहर ।
आग की भयदायिनी फैली दिशाओं में लहर।
ये कँपा सकते कभी, जिनके कलेजे को नहीं ।
भूलकर भी वे कभी, नाकाम रहते हैं नहीं।

ç'u&

1. जीवन में आने वाली विघ्न–बाधाओं से न घबराने का क्या परिणाम होता है?
2. भाग्य के भरोसे रहने वालों को क्या दुष्परिणाम भोगना पड़ता है ?
3. कर्मशील पुरुष पर्वतों तथा रेगिस्तान में क्या चमत्कार करते हैं ?
4. उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक लिखिए।
5. पर्वतों को काटकर सड़के कौन बना देते हैं ?
6. 'जंगलों में भी महामंगल' में क्या काव्यात्मक विशेषता है ?

RCScE राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद

¼9½

विचार लो कि मर्त्य हो, न मृत्यु से डरो कभी,
मरो परन्तु यों मरो कि याद तो करें सभी ।
हुई न यों सुमृत्यु तो वृक्षा मरे वृथा जिये,
मरा नहीं वही कि जो जिया न आपके लिए।
यही पशु प्रवृत्ति है कि आप आप ही चरे ।
मनुष्य है वही कि जो मनुष्य के लिए मरे ।
उसी उदार की कथा सरस्वती बखानती,
उसी उदार से धरा कृतार्थभाव मानती,
उसी उदार की सदा सजीव कीर्ति कूजती,
तथा उसी उदार को समस्त सृष्टि पूजती,
अखण्ड आत्मभाव जो असीम विश्व में भरे ।
मनुष्य है वही कि जो मनुष्य के लिए मरे ।
सहानुभूति चाहिए, महाविभूति है यही,
वशीकृता सदैव ही बनी हुई स्वयं मही।
विरुद्धवाद बुद्ध का दया–प्रवाह से बहा,
विनीत लोकवर्ग क्या न सामने झुका रहा ?
अहा वही उदार है परोपकार जो करे।
मनुष्य है वही कि जो मनुष्य के लिए मरे।
मनुष्य मात्र बन्धु है, यही बड़ा विवेक है,
पुराण पुरुष स्वयं पिता प्रसिद्ध एक है।
फलानुसार कर्म के अवश्य बाह्य भेद हैं।
परन्तु अंतरैक्य में, प्रमाणभूत वेद हैं।
अनर्थ है कि बन्धु ही न बन्धु की व्यथा हरे।
मनुष्य है वही कि जो मनुष्य के लिए मरे।

ç'u&

1. सुमृत्यु का क्या तात्पर्य है?
2. पशु प्रवृत्ति क्या होती है?
3. मनुष्य होने के लिए क्या गुण आवश्यक हैं?
4. 'उसी उदार की सदा सजीव कीर्ति कूजती' में अलंकार लिखिए।

5. उपर्युक्त पद्यांश की प्रेरणा क्या है?

6. उपर्युक्त रचना पर अपने युग का क्या प्रभाव है?

24- vifBr x|k'k

(1)

दबाव में काम करना व्यक्ति के लिए अच्छा है या नहीं इस बात पर प्रायः बहस होती है। कहा जाता है कि व्यक्ति अत्यधिक दबाव में नकारात्मक भावों को अपने उपर हावी कर लेता है, जिससे उसे अक्सर कार्य में असफलता प्राप्त होती है। वह अपना मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य भी खो बैठता है। दबाव को यदि ताकत बना लिया जाए तो न सिर्फ सफलता प्राप्त होती है, बल्कि व्यक्ति कामयाबी के नए मापदंड रचता है। ऐसे बहुत सारे उदाहरण जब लोगों ने अपने काम के दबाव को अवरुद्ध नहीं, बल्कि ताकत बना लिया। सुख–दुख, सफलता असफलता शान्ति क्रोध और क्रिया– कर्म हमारे दृष्टिकोण पर ही निर्भर करता है। जोस सिल्वा इस बात से सहमत होते हुए अपनी पुस्तक ''यू द हीलर'' में लिखते हैं कि मन मस्तिष्क को चलाता है और मस्तिष्क शरीर को। इस तरह शरीर मन के आदेश का पालन करता हुआ काम करता है। दबाब में व्यक्ति यदि सकारात्मक होकर काम करे तो वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में कामयाब होता है। दबाव के समय मौजूद समस्या पर ध्यान केन्द्रित करने और बोझ महसूस करने की बजाए यदि सोचा जाए कि हम अत्यंत सौभाग्यशाली है जो एक कठिन चुनौति को पूरा करने के लिए तत्पर है हो हमारी बेहतरीन क्षमताएँ स्वयं जागृत हो उठती है। हमारा दिमाग जिस चिज पर भी अपना ध्यान केन्द्रित करने लगता है वह हमे बढ़ती प्रतीत होती है। यदि हम अपनी समस्याओं के बारे में सोचेंगे तो वह भी बड़ी महसूस होगी। इस बात को हमेशा ध्यान में रखना चाहिए कि जीतना एक आदत है, पर अफसोस। हारना भी आदत ही।

प्रश्न–

1. व्यक्ति अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कब करता है?
2. गद्यांश के अनुसार मस्तिष्क को कौन चलाता है?

३ अपनी क्षमताओं को जगाने में महत्वपूर्ण भूमिका किसकी होती है?

4. ''यु द हीलर'' के लेखक कौन है ?
5. सफलता, सुख–दुख, शांति–क्रोध सब किस पर निर्भर करता है?
6. शरीर किसके आदेश की पालना करता है?

(2)

संसार में अमरता ऐसे ही लोगों से मिलती है जो अपने पीछे कुछ आदर्श छोड़ जाते हैं। बहुधा देखा गया है कि ऐसे व्यक्ति सम्पन्न परिवार में बहुत कम पैदा होते हैं। अधिकांश ऐसे लोगों का जन्म मध्यम वर्ग के घरों मे या गरीब परिवारों में ही होता है। इस तरह उनका पालन पोषण साधारण परिवार में होता है और वह सादा जीवन बिताने के आदी हो जाते हैं मनुष्य में विनय, उदारता, सहिष्णुता और साहस आदि चारित्रिक गुणों का विकास अत्यावश्यक है। इन गुणों का प्रभाव उसके जीवन पर पड़ता है। ये गुण व्यक्ति के जीवन को अहंकारहीन और सरल बनाते हैं। सादगी का विचारों से घनिष्ठ संबंध है। सादा जीवन व्यतीत करना चाहिए और विचारों को उच्च बनाए रखना चाहिए। व्यक्ति की सच्ची पहचान उसके विचारों और उसकी करनी उसके कर्म से होती है। मनुष्य के विचार उसके आचरण पर प्रभाव डालते हैं। उसे विवेकशील बनाते हैं।

प्रश्न–

1. संसार में अमर कौन हो पाते हैं ?
2 अमरता पाने वालो का जन्म कैसे परिवार में होता है?
3. व्यक्ति की सच्ची पहचान किससे होती है?
4. अच्छे चारित्रिक गुण व्यक्ति को कैसा बनाते हैं?
5. सादा जीवन व्यतित करने से विचार कैसे बन जाते हैं?
6. मनुष्य के विचारों से क्या प्रभावित होता है?

RCScE राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद
स्कूल शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार

(3)

लोकतंत्र के मूल भूत तत्वों को समझा नही गया है और इसलिए लोग समझते हैं कि सब कुछ सरकार कर देगी, हमारी कोई जिम्मेदारी नहीं है। लोगों में अपनी पहल से जिम्मेदारी उठाने और निभाने का स्तर विकसित नहीं हो पाया है। फलस्वरूप देश की विशाल मानव शक्ति अभी खर्राटे लेती पड़ी है और देश की पूँजी उपयोगी बनाने के बदले आज बोझरूप बन बैठी है। लेकिन उसे नींद से झकझोर कर जाग्रत करना है। किसी भी देश को महान बनाते हैं, उनमें रहने वाले लोग। लेकिन अभी हमारे देश के नागरिक अपनी जिम्मेदारी से बचते रहे हैं। चाहे सड़क पर चलने की बात हो अथवा साफ–सफाई की बात हो जहाँ–तहाँ हम लोगों को गन्दगी फैलाते और बेतरतीब ढंग से वाहन चलाते देख सकते हैं। फिर चाहते हैं सब कुछ सरकार ठीक कर दे।

सरकार ने बहुत सारे कार्य किए हैं, इसे अस्वीकार नहीं किया जा सकता है। वैज्ञानिक प्रयोगशाला, खोली है, विशाल, बाँध बनवाए हैं, फौलाद के कारखाने खोले है, आदि–आदि बहुत सारे काम सरकार के द्वारा हुए हैं। पर अभी करोड़ों लोगों को कार्य से प्रेरित नहीं किया जा सका है।

वास्तव में होना तो यह चाहिए कि लोग अपनी सूझबूझ के साथ अपनी आंतरिक शक्ति के बल पर खड़े हो और अपने पास जो कुछ साधन सामग्री हो उसे लेकर कुछ करना शुरू कर दें और फिर सरकार उसमे आवश्यक मदद करे। उदाहरण के लिए गाँव वाले बड़ी–बड़ी पंचवर्षीय योजनाएँ नहीं समझ सकेंगे पर वे लोग यह बात जरूर समझ सकेंगे कि अपने गाँव में कहाँ कुआँ चाहिए, कहाँ सिंचाई की जरूरत है, कहाँ पुल की आवश्यकता है बाहर के लोग इन सब बातों से अनभिज्ञ होते हैं।

प्रश्न–

1. किसी भी देश की महानता किस पर निर्भर करती है?
2. पंचवर्षीय शब्द में कौनसा समास है ?
3. देश के नागरिक अपनी कौनसी जिम्मेदारी निभाते हैं ?
4. लोकतंत्र का मूलभुत तत्व क्या है?
5. किसको नींद से जगाने की आवश्यकता है ?
6. वैज्ञानिक शब्द मे मूल शब्द और प्रत्यय बताइए।

(4)

तुम्हें क्या करना है चाहिए, इसका ठीक–ठीक उत्तर तुम्हीं को देना होगा, दुसरा कोई नहीं दे सकता। कैसा भी विश्वास पात्र मित्र हो, तुम्हारे इस काम को वह अपने ऊपर नहीं ले सकता। हम अनुभवी लोगों की बातों को आदर के साथ सुनें, बुद्धिमानों की सलाह को कृतज्ञतापूर्वक मानें, पर इस बात को निश्चित समझकर की हमारे कामों से ही हमारा उत्थान अथवा पतन होगा। हमें अपने विचार और निर्णय की स्वतंत्रता को दृढ़तापूर्वक बनाए रखना चाहिए। जिस पुरुष की दृष्टि सदा नीची रहती है उसका सिर कभी उपर न होगा। नीची दृष्टि रखने से यद्यपि रास्ते पर रहेंगे पर रास्ता कहाँ ले जाता है। इस बात को न देखेंगे किचित की स्वतंत्रता का मतलब चेष्टा की कठोरता या प्रकृति की उग्रता नहीं हैं। अपने व्यवहार में कोमल रहो और अपने उद्देश्यों को उच्च रखो, इस प्रकार नम्र और उच्चाशय दोनों बनो। अपने मन को कभी मरा हुआ न रखो। जो मनुष्य अपना लक्ष्य जितना ही ऊपर रखता है, उतना ही उसका तीर ऊपर जाता है।

संसार में ऐसे ऐसे दृढ़ चित्त मनुष्य हो गये है। जिन्होंने मरते दम तक सत्य की टेक नहीं छोड़ी, अपनी आत्मा के विरुद्ध कोई काम नहीं किया। राजा हरिश्चन्द्र के ऊपर इतनी – इतनी विपत्तियाँ आई, पर उन्होंने अपना सत्य नहीं छोडा।

प्रश्न–

1. मनुष्य के कर्तव्य–कर्म के निर्धारण में कौन सहायक होता है?
2. कैसे लोगों की बातों को आदर के साथ सुनना और मानना चाहिए?
3. कैसे पुरुष का सिर कभी उपर नहीं होगा ?
4. तुम्हे स्वयं के प्रश्नो का जवाब कौन देगा?
5. मन की स्वतंत्रता क्या है?
6. जीवन में भयानक विपत्तियाँ आने पर भी क्या नहीं छोड़ना चाहिए?

¼5½

वास्तव में मनुष्य स्वयं को देख नहीं पाता। उसके नेत्र दूसरों के चरित्र को देखते हैं, उसका हृदय दूसरों के दोषों को अनुभव करता है। उसकी वाणी दूसरों के अवगुणों का विश्लेषण कर सकती है, किंतु उसका अपना चरित्र, उसके अपने दोष एवम् उसके अवगुण, मिथ्याभिमान और आत्मगौरव के काले आवरण में इस प्रकार प्रच्छन्न रहते हैं कि जीवनपर्यंत उसे दृष्टिगोचर ही नहीं हो पाते। इसीलिए मनुष्य स्वयं को सर्वगुण संपन्न देवता समझ बैठता है। व्यक्ति स्वयं के द्वारा जितना छला जाता है उतना किसी अन्य के द्वारा नहीं। आत्मविश्लेषण कोई सहज कार्य नहीं। इसके लिए उदारता, सहनशीलता एवम् महानता की आवश्यकता होती है। इसका तात्पर्य यह नहीं है कि आत्म विश्लेषण मनुष्य कर ही नहीं सकता। अपने गुण–अवगुणों की अनुभूति मनुष्य को सदैव रहती है। अपने दोषों से वह हर पल अवगत रहता है, किन्तु अपने दोषों को मानने के लिए तैयार न रहना ही उसकी दुर्बलता होती है और यही उसे आत्म–विश्लेषण की क्षमता नहीं दे पाती। उसमें इतनी उदारता और हृदय की विशालता ही नहीं होती कि वह अपने दोषों को स्वयं देखकर ठीक कर सके। इसके विपरीत पर निंदा एवम् पर दोष दर्शन में अपना कुछ नहीं बिगड़ना, उल्टे मनुष्य आनन्द अनुभव करता है, परंतु आत्मविश्लेषण करके अपने दोष देखने से मनुष्य के अहंकार को चोट पहुँचती है।

ç'u&

1. 'वास्तव में मनुष्य स्वयं को देख नहीं पाता'– इस वाक्य का आशय प्रकट कीजिए।
2. मनुष्य द्वारा दूसरों के अवगुण देखने तथा अपने अवगुणों को न देख पाने के पीछे क्या कारण है?
3. मनुष्य को अपने बारे में क्या भ्रम हो जाता है?
4. मनुष्य किसके द्वारा छला जाता है तथा क्यों ?
5. आत्म–विश्लेषण किसको कहते हैं?
6. उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक लिखिए।

¼6½

सरल भाषा के दो अर्थ हो सकते हैं। एक यह है कि भाषा हजार–पाँच सौ शब्दों तक सीमित कर दी जाए, जो प्रथम बेसिक इंगलिश के सम्बन्ध में किया गया है। दूसरा अर्थ है कि भाषा सरल हो और बहुजन समुदाय की समझ में आए। मैंने मालवीय जी की हिन्दी सुनी है। उससे ज्यादा सरल और आसान हिन्दुस्तानी मैंने नहीं सुनी। उनके शब्द ज्यादातर दो या तीन अक्षर के होते थे। अगर उनकी भाषा को इस कसौटी पर कसा जाए कि उसमें अरबी अथवा अंग्रेजी से उपजे कितने शब्द होते थे, तो वह बड़ी कड़ी भाषा थी। लेकिन यह नासमझ कसौटी होगी। बहुजन समुदाय और शायद मुसलमानों की भी समझ के लायक जितनी वह भाषा थी, उससे ज्यादा और कोई नहीं। आखिर रहीम और जायसी मुसलमान थे या नहीं।

रेडियो के समाचार में मुझे एक बार दो शब्द बार–बार सुनने को मिले, 'फैक्टरी' और 'बिल'। 'रेडियो' का इस्तेमाल मैंने जानबूझकर किया है, न कि रेडिओ। जब भारतीय विद्वान् और सरकारी लोग अन्तर्राष्ट्रीय शब्दों की बात करते हैं, तब वे पाते हैं कि इन शब्दों के अनेक रूप हैं। वे अंग्रेजी रूप को ही मूल अन्तर्राष्ट्रीय रूप मान बैठे हैं, जो बड़ी ना–समझी है।

ç'u &

1. भाषा को सरल किस प्रकार बनाया जा सकता है ?
2. मालवीय जी की हिन्दी किस प्रकार की थी ?
3. लेखक ने नासमझ की कसौटी किसको कहा है ?
4. बहुजन समाज तथा मुसलमानों की समझ के लिए मालवीय जी की भाषा कैसी थी ?
5. अन्तर्राष्ट्रीय शब्दों के कितने रूप हैं ?
6. उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक लिखिए।

¼7½

ज्ञान राशि के संचित कोष ही का नाम साहित्य हैं। सब तरह के भावों को प्रकट करने की योग्यता रखने वाली और निर्दोष होने पर भी, यदि कोई भाषा अपना निज का साहित्य नहीं रखती तो वह, रूपवती भिखारिन की तरह, कदापि आदरणीय नहीं हो सकती। उसकी शोभा, उसकी श्रीसम्पन्नता, उसकी मान–मर्यादा उसके साहित्य पर ही अवलम्बित रहती है। जाति विशेष के उत्कर्षापकर्षक का, उसके उच्चनीय भावों का, उसके धार्मिक विचारों और सामाजिक संघटन का उसके ऐतिहासिक घटनाचक्रों और राजनैतिक स्थितियों का प्रतिबिंब देखने को यदि कहीं मिल सकता है तो उसके ग्रंथ साहित्य ही में मिल सकता है। सामाजिक शक्ति या सजीवता, सामाजिक अशक्ति या निर्जीवता और सामाजिक सभ्यता तथा असभ्यता का निर्णायक एकमात्र साहित्य है। जातियों की क्षमता और सजीवता यदि कहीं प्रत्यक्ष देखने को मिल सकती है तो उसके साहित्यरूपी आईने में ही मिल सकती है। इस आईने के सामने जाते ही हमें यह तत्काल मालूम हो जाता है कि अमुक जाति की जीवनी – शक्ति इस समय कितनी या कैसी है और भूतकाल में कितनी और कैसी थी।

ç'u &

1. साहित्य किसे कहते हैं ?
2. निजी साहित्य से विहीन किसी भाषा की दशा कैसी होती है ?
3. किसी भाषा के साहित्य से किसी जाति के बारे में क्या पता चलता है ?
4. साहित्य किस बात का एकमात्र निर्णायक होता है ?
5. साहित्य की तुलना आईने से करने का क्या कारण है ?
6. इस गद्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

¼8½

जिन्दगी के असली मजे उनके लिए नहीं हैं, जो फूलों की छाँह के नीचे खेलते और सोते हैं बल्कि फूलों की छाँह के नीचे अगर जीवन का कोई स्वाद छिपा है, तो वह भी उन्हीं के लिए है, जो दूर रेगिस्तान से आ रहे हैं, जिनका कण्ठ सूखा हुआ, ओंठ फटे हुए और सारा बदन पसीने से तर है। पानी में जो अमृत वाला तत्त्व है, उसे वह जानता है जो धूप में सूख चुका है, वह नहीं जो रेगिस्तान में कभी पड़ा ही नहीं है।
सुख देने वाली चीजें पहले भी थीं और अब भी हैं, फर्क यह है कि जो सुखों का मूल्य पहले चुकाते हैं और उनके मजे बाद में लेते हैं, उन्हें स्वाद अधिक मिलता है। जिन्हें आराम आसानी से मिल जाता है, उनके लिए आराम ही मौत है।

जो लोग पाँव भीगने के खौफ से पानी से बचते रहते हैं, समुद्र में डूब जाने का खतरा उन्हीं के लिए है। लहरों में तैरने का जिन्हें अभ्यास है, वे मोती लेकर बाहर आएँगे।

ç'u &

1. फूलों की छाँह के नीचे खेलने और सोने का क्या तात्पर्य है ?
2. रेगिस्तान में यात्रा करने से क्या कष्ट होता है ?
3. जिन्दगी का मजा कौन उठा सकता है ?
4. सुख देने वाली चीजों से अधिक सुख किनको मिलता है ?
5. पानी में स्थित अमृत वाले तत्व को कौन पहचानता है ?
6. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए ।

साहित्यिक ज्ञान के खोखलेपन के साथ, जिसको मैं प्रायः प्रकट नहीं होने देता, मुझमें नैतिक गाम्भीर्य का अभाव रहा है। यद्यपि परहित के धर्म का उचित से कम मात्रा में ही पालन कर सका हूँ, तथापि पर–पीड़न की अधमाई से यथासम्भव बचता रहता हूँ, मुझमें कमजोरियाँ रहीं किन्तु मैंने उन कमजोरियों को कमजोरियाँ ही कहा। यद्यपि मैंने महात्मा गाँधी की भाँति उनका उद्‌घाटन नहीं किया फिर भी उनको किसी भव्य आचरण के नीचे छिपाने का प्रयत्न भी किया। अपनी कमजोरियों के ज्ञान ने मुझे दूसरों की कमजोरियों के प्रति उदार बनाया। दूसरे पक्ष को मैंने सदा मान लिया। अपनी भूल को स्वीकार करने के लिए सदा तैयार रहा। इसी कारण मैं दूसरों के वैर–विरोध से बचा रहा, यद्यपि कभी–कभी ऐसी बात सुनने को मिल गई "दूसरों के प्रति अपराध कर उनका नुकसान कर, क्षमा माँगने से क्या लाभ ? यह तो जूता मारकर दुशाले से पोंछने की नीति हुई।'' दूसरे के किये हुए उपकारों का मैं प्रत्युपकार तो नहीं कर सका, पर अपने उपकारी के लिए यही शुभ–कामना करता रहा कि वह ऐसी परिस्थिति में न आये कि उसको मेरे प्रत्युपकार की जरूरत पड़े और मैं भी आलस्य का सुखद धर्म त्यागकर कष्ट में पड़ूँ, किन्तु मैंने उपकार के बदले अपकार करने की चेष्टा भी नहीं की और न कभी उपकारी का कृतघ्न ही हुआ। मेरे विरोधियों द्वारा किया हुआ अपकार मेरे हृदय से पानी की लकीर की भाँति सहज में तो विलीन नहीं हो गया, किन्तु वह पत्थर की लकीर नहीं बना।

ç'u &

1. लेखक ने अपनी किन दो कमियों का वर्णन किया है ?
2. 'परहित' और 'परपीड़न' के बारे में लेखक ने क्या कहा है ?
3. अपनी कमजोरियों को जानने से लेखक को क्या लाभ हुआ ?
4. दूसरों के विरोध से बचने का उपाय इस गद्यांश के आधार पर लिखिए।
5. ''जूता मारकर दुशाले से पोंछने'' का क्या तात्पर्य है ?
6. इस गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

¼10½

साहित्यकार बहुधा अपने देशकाल से प्रभावित होता है। जब कोई लहर देश में उठती है, तो साहित्यकार के लिए उससे अविचलित रहना असंभव हो जाता है। उसकी विशाल आत्मा अपने देश बन्धुओं के कष्टों से विकल हो उठती है और इस तीव्र विकलता में वह रो उठता है; पर उसके रुदन में भी व्यापकता होती है। वह स्वदेश का होकर भी सार्वभौमिक रहता है। 'टाम काका की कुटिया' गुलामी की प्रथा से व्यथित हृदय की रचना है पर आज उस प्रथा के उठ जाने पर भी उसमें वह व्यापकता है कि हम लोग भी उसे पढ़कर मुग्ध हो जाते हैं। सच्चा साहित्य कभी पुराना नहीं होता। वह सदा नया बना रहता है। दर्शन और विज्ञान समय की गति के अनुसार बदलते रहते हैं पर साहित्य तो हृदय की वस्तु है और मानव हृदय में तब्दीलियाँ नहीं होतीं। हर्ष और विस्मय, क्रोध और द्वेष, आशा और भय, आज भी हमारे मन पर उसी तरह अधिकृत हैं, जैसे आदि कवि वाल्मीकि के समय में थे और कदाचित अनन्त तक रहेंगे। रामायण के समय का समय अब नहीं है, महाभारत का समय भी अतीत हो गया, पर ये ग्रन्थ अभी तक नये हैं। साहित्य ही सच्चा इतिहास है क्योंकि उसमें अपने देश और काल का जैसा चित्र होता है, वैसा कोरे इतिहास में नहीं हो सकता। घटनाओं की तालिका इतिहास नहीं है और न राजाओं की लड़ाइयाँ ही इतिहास है। इतिहास जीवन के विभिन्न अंगों की प्रगति का नाम है और जीवन पर साहित्य से अधिक प्रकाश और कौन वस्तु डाल सकती है क्योंकि साहित्य अपने देशकाल का प्रतिबिम्ब होता है।

ç'u–

1. साहित्यकार किस बात से प्रभावित होता है ?
2. देशकाल का क्या तात्पर्य है ?
3. साहित्यकार के रुदन में व्यापकता होने का क्या आशय है ?
4. कारण स्पष्ट कीजिए ''सच्चा साहित्य कभी पुराना नहीं होता वह सदा नया बना रहता है।''
5. हर्ष, विस्मय, क्रोध, द्वेष, आशा, भय इत्यादि कैसे मनोविकार हैं ?
6. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

25. निबंध लेखन

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर सारगर्भित निबन्ध लिखिए ? (शब्द सीमा 300 शब्द)

1. डिजिटल इंडिया

अथवा

भारतः डिजिटलीकरण की ओर

2 बेटी बचाओः बेटी पढ़ाओ

अथवा

कन्या भ्रूण हत्याः महापाप

3. कोरोना वायरस महामारी के सामाजिक आर्थिक प्रभाव

4. कैशलेस अर्थव्यवस्था चुनौतिपूर्णः सकारात्मक कदम

5. भारतीय संस्कृति का अनुपम उपहारः योग

अथवा

योग स्वास्थ्य की कुंजी

6. राष्ट्रीय एकता की सुरक्षा – हमारा कर्तव्य

अथवा

राष्ट्र के प्रति हमारे दायित्व

7. नये भारत की आशाः युवावर्ग

अथवा

युवा पीढ़ी और देश का भविष्य

8. जनसंख्या वृद्धिः घटती समृद्धि

9. राजस्थान में जल–संकट

अथवा

मरुभूमि का जीवन धन–जल

10. मानव सभ्यता का संकट– आतंकवाद

अथवा

आतंकवाद एकः वैश्वीक समस्या

11. अनेकता में एकता :– भारत की विशेषता

12. समाज के नवनिर्माण में साहित्य की भूमिका

13. समाज में मीडिया की भूमिका

14. महिला सशक्तीकरण और शिक्षा

15. पर्यावरण संरक्षणः प्रदुषण नियंत्रण

16. महँगाई की मार : जीवन बेहाल

17. घटते रोजगार : बढ़ती बेरोजगारी

18. वर्तमान में कम्प्युटर शिक्षा की अनिवार्यता

19. कन्या भ्रूण हत्या : मानव समाज पर कलंक

20. राजस्थान में पर्यटन

21. इक्कीसवीं सदीं और विकसित भारत

26. पत्र एवं प्रारूप लेखन

(1) अर्द्धशासकीय पत्र

1. स्वयं को शासन सचिव, शिक्षा विभाग महेन्द्र कुमार मानते हुए राज्य के समस्त संस्था प्रधानों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की सुनिश्चितता हेतु एक अर्द्धशासकीय पत्र लिखिए।

2. जिला कलक्टर बांसवाड़ा की ओर से रजिस्ट्रार रसद विभाग, जयपुर को सरकारी राशन की दुकानों पर होने वाली अनियमितताओं के संबंध में उचित कार्यवाही का आग्रह करते हुए एक अर्द्धसरकारी पत्र लिखिए।

3. सचिव, माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर की ओर से पुलिस महानिदेशक राजस्थान, जयपुर को एक अर्द्धसरकारी पत्र लिखिए जिसमें बोर्ड परीक्षा प्रश्न पत्रो की सुरक्षा का आग्रह हो।

4. सचिव, शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार, जयपुर की ओर आयुक्त, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग को अर्द्धसरकारी पत्र लिखिए जिसमें सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की नियमित स्वास्थ्य जांच का आग्रह किया गया हो।

5. विशिष्ट शासन सचिव राजस्थान जयपुर की ओर से अजमेर मण्डल आयुक्त को पेयजल की आपूर्ति के सम्बन्ध में पूर्ण विवरण भेजेने हेतु निर्देशित करते हुए अर्द्धसरकारी पत्र लिखिए।

(2) निविदा

प्र. निविदा किसे कहते हैं ?

1. अधिशासी अभियंता, अजमेर विद्युत परियोजना की ओर से सामग्री क्रय संबंधी मोहरबंद निविदाएं आमत्रित करने का निविदा सूचना पत्र तैयार कीजिए ।

2. प्रबंधक राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम, जयपुर की ओर से पंजीकृत ठेकेदारों से बस स्टेशन चौंमू एवं भवानी मंडी के विस्तारीकरण कार्य हेतु निविदा आमंत्रण प्रारूप तैयार कीजिए

3. आयुक्त, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग जयपुर की ओर से राज्य के समस्त चिकित्सालयों में निः शुल्क दवा वितरण हेतु पंजीकृत दवा कंपनियों हेतु निविदा आमंत्रण प्रारूप तैयार कीजिए।

4. भारत सीमा सुरक्षा बल की ओर से राशन तेल आदि का सरकारी भंडारो में ढुलान हेतु निविदा आमंत्रण का प्रारूप तैयार कीजिए।

(3) विज्ञप्ति

प्र. विज्ञप्ति किसे कहते हैं?

1 नगर निगम जयपुर द्वारा कर्मचारियों के पारिश्रमिक में बढ़ोतरी के संबंध में एक प्रेस विज्ञप्ति तैयार कीजिए।

2. भारतीय खेल परिषद नई दिल्ली द्वारा खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने हेतु राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय पदक विजेता के पुरस्कार वृद्धि संबंधी प्रेस विज्ञप्ति लिखिए।

3. ग्रामीण मरुधरा क्षेत्रीय बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय, दौसा की ओर से कार्यालय स्थान–परिवर्तन की आम–सूचना संबंधी एक विज्ञप्ति तैयार कीजिए।

4. माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर, राजस्थान के सचिव की ओर से विज्ञप्ति प्रारूप तैयार कीजिए जिसमें परीक्षाओं की तारीख परिवर्तित करने की सूचना दी गई हो।

(4) अधिसूचना

1. राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर द्वारा दीक्षान्त समारोह के आयोजन की एक अधिसूचना का प्रारूप तैयार कीजिए।

2. जिला निर्वाचन अधिकारी, सीकर द्वारा मतदाता सूची में नाम जोड़ने या हटाने एवं नामावली सुधार को लेकर अधिसूचना का प्रारूप तैयार कीजिए।

3. राजस्थान सरकार राज्य में पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए जिला पर्यटन केन्द्र खोलने के सम्बन्ध में उपसचिव पर्यटन विभाग की ओर से एक अधिसूचना का प्रारूप लिखिए।

4. मुख्य सचिव, राजस्थान सरकार, शासन सचिवालय की ओर से सभी सरकारी विभागों के आदेश राजभाषा हिन्दी में प्रकाशित करने से सम्बन्धित अधिसूचना तैयार कीजिए।

(5) ज्ञापन

प्र. ज्ञापन किसे कहते हैं?

1. नगर विकास समिति के अध्यक्ष के नाते जिला कलेक्टर अजमेर को पत्र लिखकर अपनी नव निर्मित कॉलोनी के नियमितीकरण करने की व्यवस्था ''प्रशासन शहरों के संग'' जैसे आयोजन किए जाने की तिथि निश्चित करने के लिए अनुरोध किया जावे ।

2. भारत सरकार, रक्षा मंत्रालय की ओर से श्री नरेन्द्र सिंह के लिपिक पद पर नियुक्ति के संदर्भ में एक ज्ञापन प्रस्तुत कीजिए।

3. ग्राम पंचायत के सचिव की ओर से अपने जिला कलेक्टर को गाँव में फैली मौसमी बीमारियों, यथा मलेरिया, डेंगू एवं चिकनगुनिया के उपचारार्थ चिकित्सकों की टीम भेजने हेतु ज्ञापन प्रारूप तैयार कीजिए।

27. (i) आलेख (100 शब्द)

1. ''बदलता भारत – बढ़ता भारत'' विषय पर आलेख तैयार कीजिए।
2. ''भारतीय संस्कृति में अतिथि का स्थान'' विषय पर आलेख तैयार कीजिए।
3. ''नक्सलवाद की समस्या'' विषय पर आलेख तैयार कीजिए।
4. ''मोबाइल बिन सब सून'' विषय पर आलेख तैयार कीजिए।
5 ''आजादी का अमृत महोत्सव'' विषय पर आलेख तैयार कीजिए।
6. ''निशुल्क कन्या शिक्षा के परिणाम'' विषय पर आलेख तैयार कीजिए।
7. भारतीय जीवन शैली में व्याप्त भ्रष्टाचार की स्थिति पर आलेख तैयार कीजिए।
8. ''अन्तरिक्ष में भारत का वर्चस्व'' विषय पर आलेख तैयार कीजिए।
9. ''देश में रोजगार की स्थिति'' पर आलेख तैयार कीजिए।
10. ''विश्व कप क्रिकेट में भारतीय टीम का प्रदर्शन'' विषय पर आलेख तैयार कीजिए।
11. ''स्त्री शिक्षा की महता'' विषय पर आलेख तैयार कीजिए।
12. ''मिशन चन्द्रयान–3'' विषय पर आलेख तैयार कीजिए।
13. ''भारतीय महिला क्रिकेटर– मिताली राज'' विषय पर आलेख तैयार कीजिए।
14. ''दहेज एक अभिशाप'' विषय पर आलेख तैयार कीजिए।
15. ''खाद्य–पदार्थो में मिलावट'' विषय पर आलेख तैयार कीजिए।

(ii) फीचर (100 शब्द)

1. फीचर किसे कहते हैं ?
2. फीचर और आलेख में क्या अन्तर है? लिखिए।
3. भारतीय साहित्य की विशेषताओ पर एक फीचर लिखिए।
4. ''पर्यटन का महत्व'' विषय पर एक फीचर लिखिए।
5. ''भ्रष्टाचार की फैलती विष बेल'' विषय पर फीचर लिखिए।
6. ''भारत में किसानों की दुरवस्था'' विषय पर फ़ीचर तैयारी कीजिए।
7. ''जंक फूड़ की बढ़ती घुसपैठ'' विषय पर फीचर तैयार कीजिए।
8. निम्नलिखित विषयों पर फीचर लिखिए–
   (i) शहर से पहले समाज को स्मार्ट बनाए ।
   (ii) सोच बदलेगी – समाज बदलेगा ।
   (iii) जल ही जीवन।
   (iv) सब पढ़ें – सब बढ़ें ।
   (v) शिक्षा का बाजारीकरण ।
   (vi) बच्चों का छिनता बचपन।
   (vii) युवा पीढ़ी के घटते संस्कार ।
   (viii) राष्ट्रीय पुरस्कारों में राजनीति।
9. मेरे विद्यालय का पुस्तकालय
10. क्रिकेट जगत की शान :– M.S. धोनी

28. व्यावहारिक व्याकरण

(i) भाषा, व्याकरण एवं लिपि

बहुचयनात्मक प्रश्न–

1. भाषा के क्षेत्रीय रूप को क्या कहते हैं ?

(अ) लिपि (ब) बोली (स) मुख्य भाषा (द) मौखिक भाषा

2. भाषा को शुद्ध रूप से लिखना, पढ़ना और बोलना सिखाने वाला शास्त्र क्या कहलाता है?

(अ) छन्द (ब) लिपि (स) व्याकरण (द) रस

3. मौखिक ध्वनियों को जिन चिह्नों द्वारा लिखकर प्रकट किया जाता है उसे क्या कहते हैं ?

(अ) लिपि (ब) बोली (स) भाषा (द) व्याकरण

4. हिन्दी भाषा की लिपि है?

(अ) फारसी (ब) गुरुमुखी (स) देवनागरी (द) रोमन

5. भाषा की कितनी इकाईया होती है?

(अ) 3 (ब) 4 (स) 5 (द) 6

6. निम्नलिखित में पश्चिम हिन्दी के अन्तर्गत नहीं आती है–

(अ) ब्रज (ब) खड़ी बोली (स) अवधी (द) कन्नौजी

7. व्याकरण के अंग माने गये है –

(अ) 4 (ब) 2 (स) 5 (द) 6

8. भाषा के मुख्यतः कितने रूप है?

(अ) 2 (ब) 3 (स) 4 (द) 5

9. हिन्दी की बोलियों को कितने भागों में बांटा गया है ?

(अ) 4 (ब) 5 (स) 6 (द) 7

10. अन्धे लोगों के लिए कौनसी लिपि प्रयोग में आती है ?

(अ) ब्रेल लिपि (ब) बौद्ध लिपि (स) ब्राह्मी लिपि (द) इनमे से कोई नहीं

11. विचारों को अभिव्यक्त करने का माध्यम है –

(अ) संकेत (ब) भाषा (स) पद (द) ध्वनि

12. विभक्ति युक्त शब्द क्या कहलाता है?

(अ) शब्द (ब) वाक्य (स) पद (द) वर्ण

13. किसी भाषा को बोलने तथा लिखने के नियमो की व्यवस्थित पद्धति क्या कहलाती है ?

(अ) वाक्य विचार (ब) शब्द शक्ति (स) समास (द) व्याकरण

mÙkjekyk& 1. ब 2. स 3.अ 4.स 5.स 6. स 7.अ 8. अ 9. ब 10 अ 11. ब, 12. स, 13. द

निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति की किजिए

1. बोली का क्षेत्र सीमित तथा भाषा का क्षेत्र .... होता है।
2. भाषा शब्द संस्कृत के .... धातु से बना है।
3. भाषा के स्थानीय रूप को .... कहते हैं।
4. वर्णो के सार्थक समूह के .... कहते हैं।
5. देवनागरी लिपि का विकास .... लिपि से हुआ ।
6. मनुष्यों की व्यक्त वर्णनात्मक वाणी .... कहलाती है।
7. 14 सितम्बर, 1949 को हिन्दी को भारत की .... घोषित किया गया।
8. अवधी, बघेली, छत्तीसगढी .... समूह में शामिल है।
9. हिन्दी भाषा .... लिपि में लिखी जाती है।
10. नेपाली .... लिपि में लिखी जाती है।

RCScE राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद
स्कूल शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार

(ii) शब्द शक्ति

बहुचयनात्मक प्रश्न

1. अभिधा शब्द शक्ति में प्रकट होने वाला अर्थ कहलाता है –
   (अ) वाच्यार्थ (ब) अभिधेयार्थ (स) मूलार्थ (द) उपरोक्त सभी
2. लक्ष्यार्थ का बोध कराने वाली शब्द शक्ति है –
   (अ) अभिधा (ब) लक्षणा (स) व्यंजना (द) कोई नही
3. कौनसी शब्द शक्ति ध्वनि पर आधृत होती है ?
   (अ) अभिधा (ब) व्यंजना (स) रूढ़ा लक्षणा (द) प्रयोजवती लक्षणा
4. सामान्यतः जब श्लेष अलंकार युक्त पद हो तो कौन सी शब्द शक्ति होती है ?
   (अ) अभिधा (ब) उपादान लक्षणा (स) लक्षणा (द) व्यंजना
5. निम्नलिखित में से किसे वृति या व्यापार कहते हैं?
   (अ) रस (ब) छन्द (स) गुण (द) शब्द शक्ति
6. शब्द शक्ति के मुख्यतः कितने भेद माने गये है?
   (अ) 2 (ब) 3 (स) 5 (द) 8
7. किसे 'शब्द की प्रथमा शक्ति' कहा जाता है?
   (अ) अभिधा (ब) व्यंजना (स) लक्षणा (द) अलंकार
8. शाब्दी और आर्थी किस शब्द शक्ति के भेद है ?
   (अ) अभिधा (ब) व्यंजना (स) लक्षणा (द) तात्पर्या
9. ''इस बुढिया को न सताओ, यह तो निरी गाय है'' वाक्य में कौनसी शब्द शक्ति है?
   (अ) अभिधा (ब) लक्षणा (स) व्यंजना (द) अभिधा और कजना
10. शब्द का कल्पना आधारित अर्थ जो अभिधेय तथा लक्ष्यार्थ से परे हो वहाँ कौनसी शब्द शक्ति होती है ?
   (अ) लक्षणा (ब) व्यंजना (सं) अभिधा (द) रूढ़ा लक्षणा
11. ''यह ताजमहल कब तक पूरा होगा'' वाक्य में कौनसी शब्द शक्ति है?
   (अ) लक्षणा (ब) व्यंजना (सं) अभिधा (द) लक्षणा अभिधा
12. ''जीवन में मनुष्य को अनेक पर्वत पार करने पड़ते हैं।'' वाक्य में कौनसी शब्द शक्ति है?
   (अ) अभिधा व्यंजना (ब) लक्षणा (स) व्यंजना (द) अभिधा

mÙkjekyk& 1. द 2.ब 3.ब 4.द 5.द 6.ब 7.अ 8.ब 9.ब 10.ब 11. अ 12. ब

रिक्तस्थानों की पूर्ति कीजिए

1. ''अंधेरा हो गया है– सेठ ने नौकर से कहा'' वाक्य में .... .शब्द शक्ति है।
2. ''यह यमुना पुत्रों का नगर है'' वाक्य में .... शब्द शक्ति है।
3. ''सीता खाना बना रही है'' वाक्य में .... शब्द शक्ति है।
4. जिस शब्द से मुख्य अर्थ निकलता है उसे ....शब्द शक्ति कहते हैं।
5. रूढ, यौगिक और योगरूद शब्दो का प्रयोग .... शब्द शक्ति में होता है।
6. पानी गए न उभरे, मोती मानस चून में .... शब्द शक्ति है।
7. प्रयोजन या उद्देश्य की पूर्ति हेतु .... शब्द शक्ति का प्रयोग किया जाता है।

RCSCE राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद
स्कूल शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार

(iii) अंलकार

बहुचयनात्मक प्रश्न

1. अलंकार कितने प्रकार के होते हैं ?

   (अ) 2 (ब) 3 (स) 4 (द) 5

2. अलंकार का शाब्दिक अर्थ क्या होता है ?

   (अ) वस्त्र (ब) आभूषण (स) वर्ग (द) धन

3. उपमान और उपमेय के अभेद को क्या कहते हैं ?

   (अ) उपमा (ब) रूपक (स) उत्प्रेक्षा (द) अनुप्रास

4. उपमेय में कल्पित उपमान की संभावना को क्या कहते हैं ?

   (अ) रुपक (ब) दृष्टान्त (स) उत्प्रेक्षा (द) श्लेष

5. जहाँ शब्दो की आवृति हो किन्तु अर्थ भिन्न भिन्न हो वहाँ अलंकार होता है –

   (अ) श्लेष (ब) रुपक (स) वक्रोक्ति (द) यमक

6. ''सन्तों भाई आई ज्ञान की आंधी रे'' पंक्ति में कौनसा अलंकार है ?

   (अ) उपमा (ब) रूपक (स) यमक (द) अनुप्रास

7. 'जेते तुम तारे, तेते नभ में न तारे' पंक्ति में कौनसा अलंकार है ?

   (अ) उपमा (ब) रूपक (स) श्लेष (द) यमक

8. "रीझि रीझि रहसि रहसि हंसी हंसी उठे" पंक्ति में अनुप्रास अलंकार का कौनसा भेद है?

   (अ) वृत्यानुप्रास (ब) श्रुत्यानुप्रास (स) छेकानुप्रास (द) अन्त्यानुप्रास

9. उपमा अलंकार के कितने अंग है ?

   (अ) 4 (ब) 6 (स) 8 (द) 10

10. निम्न में से उपमा का अंग नहीं है –

    (अ) उपमेय (ब) वाचक शब्द (स) उपमान (द) लक्षण

(11) ''विषमय यह गोदावरी, अमृतन के फल देत'' पंक्ति में कौनसा अलंकार है?

   (अ) उपमा (ब) यमक (स) विरोधाभास (द) उत्प्रेक्षा

(12) जहाँ कोई शब्द एक बार प्रयुक्त हो किन्तु प्रसंग भेद से उसके एक से अधिक अर्थ हो, वहाँ कौनसा अलंकार होता है?

   (अ) भ्रान्तिमान (ब) श्लेष (स) सन्देह (द) रूपक

(13) ''सूर–सूर तुलसी ससि उडगण केशवदास'' प्रस्तुत पंक्ति में कौनसा अलंकार है?

   (अ) अनुप्रास (ब) सन्देह (स) यमक (द) भ्रान्तिमान

(14) ''वह मथुरा काजर सी कोठरी'' पंक्ति में कौनसा अलंकार है ?

(अ) उपमा (ब) यमक (स) उत्प्रेक्षा (द) मानवीकरण

mÙkjekyk& 1. ब 2. ब 3. ब 4. स 5. द 6. ब 7. द 8. स 9 अ 10. द 11. स, 12. ब, 13. स, 14. अ

निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए ।

1. जहाँ एक जैसे वर्णो की आवृति बार बार हो वहाँ .... अलंकार होता है।
2. अलंकारों का अनावश्यक प्रयोग कविता के सौन्दर्य को .... करता है ।
3. ''उमड़ रही थी फेन उगलती फन फैलाए सर्पों सी'' पंक्ति में .... अलंकार है।
4. काव्य की शोभा बढ़ाने वाले गुण धर्मों को .... कहते हैं।
5. ''रघुपति राघव राजा राम'' पंक्ति में .... अलंकार है।
6. जिस अलंकार में शब्दों के प्रयोग से चमत्कार उत्पन्न हो वह .... अलंकार कहलाता है।
7. ''जहाँ एक ही उच्चारण स्थान वाले वर्णो की आवृति हो'' वहाँ .... अलंकार होता है।
8. जहाँ उपमेय और उपमान में भेद होते हुए भी उपमेय में उपमान की संभावना प्रकट की जाए वहाँ .... अलंकार होता है।
9. कारण का अभाव होने पर भी कार्य सम्पन्न हो जाए वहाँ .... अलंकार होता है।
10. जब किसी व्यक्ति या वस्तु का वर्णन करने में लोक समाज की सीमा या मर्यादा टुट जाये वहाँ .... अंलकार होता है।

पारिभाषिक शब्दावली

निम्नलिखित अंग्रेजी पारिभाषिक शब्दों का हिन्दी अर्थ लिखिए!

1. Acknowledgement –पावति
2. Parliamentary– संसदीय
3. Unique –अद्वितीय
4. Census –जनगणना
5. Employer –नियोक्ता
6. Grant– अनुदान
7. Minutes –कार्यवृत
8. Petition– याचिका
9. Referendum– जनमत संग्रह
10. Statutory –वैधानिक
11. Manifesto –घोषणा पत्र
12. Honorarium –मानदेय
13. Invoice –चालान
14. Agenda –कार्यसूची
15. Constitution –संविधान
16. context –प्रसंग, सन्दर्भ
17. Disaster –विपदा
18. Ecology –पारिस्थितिकी
19. Gazetted –राजपत्रित
20. Hoarding –जमाखोरी
21. Homage श्रद्धांजली
22. Memo –ज्ञापन
23. Migrant –प्रवासी
24. Motion – प्रस्ताव
25. Protocol –नवाचार/शिष्टाचार
26. Provision – प्रावधान
27. Quorum. –गणपूर्ति
28. Remuneration – पारिश्रमिक
29. Terminology– शब्दावली
30. Union – संघ
31. Zonal आँचलिक
32. Warrant – अधिपत्र
33. Vocational व्यावसायिक
34. Summit – शिखर
35. Standard – मानक
36. Security – प्रतिभूति
37. Scrutiny– संवीक्षा
38. Sanitation – स्वच्छता
39. Sanction संस्वीकृति
40. Revenue –राजस्व
41. Rescue – बचाव
42. Patron– संरक्षक
43. Occupation –व्यवसाय
44. Integration – एकीकरण
45. Federation –परिसंघ
46. EXTENT –विस्तार
47. Escort –अनुरक्षक
48. Decode– कूटवाचन
49. Currency मुद्रा
50. Circular– परिपत्र
51. Accuracy – यथार्थता
52. Interview –साक्षात्कार
53. Adjournment – स्थगन
54. Literate – साक्षर
55. Affidavit – शपथ पत्र
56. Livestock – पशुधन

57. Agitation – आन्दोलन

58.. Manipulation – हस्तकौशल

59. Amendment – संशोधन

60. Minority – अल्पसंख्य

61. Annexure – संलग्नक

62. Negotiation – बातचीत

63. Appropriate – विनियोजन करना

64. Notification – अधिसूचना

65. Auction – नीलामी

66. Objection – आपत्ति

63. Bequest – वसीयत

68. Occupation – व्यवसाय

69. Bilingual – द्विभाषी

70. Ordinance – अध्यादेश

71. Bureaucracy – नौकरशाही

72. Parliament – संसद

73. Campaign – अभियान

74. Passward – संकेत शब्द

75. Catagory – श्रेणी

76. Privilege – विशेषाधिकार

77. Commission– आयोग

78. Quartery – त्रैमासिक

79. Commutation – परिवर्तन

80. Recurring – आवर्ती

81. Concept – संकल्पना

82. Rehabilitation – पुनर्वास

83. Condolence – संवदेना

84. Resolution – संकल्प

85. Constitution – संविधान

86. Technology – प्रौद्योगिकी

87. Corporation – निगम

88. Treasury – कोष/खजाना

89. Correspondence – पत्राचार

90. Upgrade – उन्नयन करना

91. Determination – निर्धारण/अवधारणा

92. Verification – सत्यापन

93. Diplomacy – राजनय/कूटनीति

94. Warrant – अधिपत्र

95. Grivience – शिकायत

96. Withdraw – प्रत्याहरण/वापसी

97. Guarantee – प्रत्याभूति

98. Witness – साक्षी

99. Inaugurution – उद्घाटन

100. Zonal – आँचलिक

29. मॉडल प्रश्न पत्र–एक
उच्च माध्यमिक परीक्षा 2024 (निर्धारित पाठ्यक्रमानुसार)
विषयः – हिन्दी अनिवार्य

समय – 3:15 घंटे पूर्णांक – 80

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें ।
2. सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर पुस्तिका में ही लिखें ।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खंड है, उन सभी के उत्तर एक साथ लिखें ।

खण्ड (अ)

1. **निम्नलिखित बहुचयनात्मक प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तरपुस्तिका में लिखिए–** **12**

(i) निम्न में से कौन उल्टा पिरामिड शैली का भाग नहीं है?

(अ) इन्ट्रो (ब) बॉडी (स) मध्य भाग (द) समापन

(ii) रेडियो समाचार लेखन में एक से 10 तक की संख्याओं को किसमें लिखा जाता है?

(अ) अंको में (ब) शब्दों में (स) रॉमन में (द) उपयुक्त सभी

(iii) प्रवासी का अंग्रेजी पारिभाषिक शब्द बताइए –

(अ) Migrant (ब) motion (स) homage (द) Grant

(iv) Sanitation का हिन्दी पारिभाषिक शब्द क्या है?

(अ) स्वच्छता (ब) नागरिकता (स) निम्नता (द) राष्ट्रीयता

(v) "चाँद रात पसरिते" कविता के संबंध में कौनसी बात सत्य है?

(अ) यह दिनकर द्वारा रचित है। (ब) यह अनंत काणेकर द्वारा रचित है।

(स) यह केशव कुमार द्वारा रचित है। (द) यह सौंदलगेकर द्वारा रचित है।

(vi) मुअनजो–दड़ों की अनूठी मिसाल क्या है?

(अ) नगर–नियोजन(ब) खेती के औजार (स) भवन निर्माण (द) स्वच्छता

(vii) स्वतंत्रता, समता, भ्रातृता पर आधारित समाज को लेखक ने कैसा समाज कहा है?

(अ) मिश्रित समाज(ब) स्वतंत्र समाज (स) आदर्श समाज (द) बहुल समाज

(viii) संसार की सबसे सरस रचनाएँ किसके मुँह से निकली है?

(अ) गृहस्थों के (ब) अवधूतों के (स) राजाओं के (द) पंडितों के

(ix) किसमें परिस्थिति को ताड़ने की विशेष बुद्धि होती है?

(अ) मनुष्यों के (ब) पेड़ पौधों के (स) कुत्तों में (द) बच्चों में

(x) कवि ने साहित्य का रसायन किसे कहा है?

(अ) खाद्य (ब) धन (स) बीज (द) कल्पनाए

(xi) रामचरितमानस महाकाव्य किस भाषा में रचित है?

(अ) ब्रज (ब) अवधी (स) खड़ी बोली (द) भोजपुरी

(xii) क्रान्ति की आशंका से कौन भयभीत रहता है?

(अ) शोषित वर्ग (ब) कवि (स) शोषक वर्ग (द) पाठक

2. निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए– **6**

(i) भाषा का स्थानीय रूप .... कहलाता है।

(ii) रुढ़, यौगिक और योगरूढ़ शब्दों का प्रयोग .... शब्द शक्ति में होता है।

(iii) ''जेते तुम तारे, तेते नभ में न तारे'' पंक्ति में ....अलंकार है।

(iv) जहाँ एक ही उच्चारण स्थान वाले वर्णो की आवृत्ति हो वहाँ .... अलंकार होता है।

(v) .... लिपि बांयी से दांयी ओर लिखि जाती है।

(vi) ''पानी गए न उभरे मोती मानस चून'' में .... शब्द शक्ति है।

3. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **6**

(क) हमारी संस्कृति के मूल अंगो पर प्रकाश डाला जा चुका है। भारत में विभिन्न जातियों के पारस्परिक सम्पर्क मे आने से संस्कृति की समस्या कुछ जटिल हो गई। पुराने जमाने में द्रविड़ और आर्य संस्कृति का समन्वय बहुत उत्तम रीति से हो गया था। इस समय मुस्लिम और अंग्रेजी संस्कृतियों का मेल हुआ है। हम इन संस्कृतियों से अछूते नहीं रह सकते हैं। इन संस्कृतियों में से हम, कितना छोड़े, यह हमारे सामने बड़ी समस्या है। अपनी भारतीय संस्कृति को तिलांजली देकर। इसको अपनाना आत्महत्या होगी। भारतीय संस्कृति की समन्वय–शीलता यहाँ भी अपेक्षित है किन्तु समन्वय में अपना न खो बैठना चाहिए। दूसरी संस्कृतियों के जो अंग हमारी संस्कृति में अविरोध रूप से अपनाए जा सके उनके द्वारा अपनी संस्कृति को सम्पन्न बनाना आपत्तिजनक नही। अपनी अपनी संस्कृति की बातें चाहें अच्छी हो या बुरी चाहे दूसरों की संस्कृति से मेल खाती हों या न खाती हों, उनसे लज्जित होने की कोई बात नहीं।

(i) प्राचीन भारत में किन दो संस्कृतियों का समन्वय हुआ ?

(ii) वर्तमान में किन दो संस्कृतियों के समन्वय की समस्या है?

(iii) मुस्लिम तथा अंग्रेजी संस्कृतियों के साथ समन्वय में कठिनाई क्या है?

(iv) लेखक किसको लज्जा का विषय नहीं मानता ?

(v) मुस्लिम तथा अंग्रेजी संस्कृतियों से समन्वय करते समय क्या दृष्टिकोण अपनाना चाहिए ?

(vi) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए ।

4. **निम्नलिखित अपठित पद्यांश को पढ़कर दिये गये प्रश्नो के उत्तर लिखिए।** 6

देखकर बाधा विविध, बहु विघ्न घबराते नहीं।
रह भरोसे भाग के, दुःख भोग पछताते नहीं ।
काम कितना भी कठिन हो, किन्तु उकताते नहीं
भीड़ में चंचल बने जो वीर दिखलाते नहीं ।
हो गए इक आन में, उनके बुरे दिन भी भले ।
सब जगह सब काल में वे ही मिले फूले–फले ।
पर्वतों को काटकर सड़के बना देते हैं वे
सैकड़ो मरुभूमि में नदियां चला देते हैं वे !
गर्भ में जलराशि जलराशि के बेड़ा चला देते हैं वे ।।
जंगलो में भी महा मंगल रचा देते हैं वे
भेद नभ–तल का उन्होंने है बहुत बतला दिया ।
है उन्होंने ही निकाली तार की सारी क्रिया ।
व्योम को छूते हुए दुर्गम पहाड़ो के शिखर ।
वे घने जंगल जहाँ रहता है तम आठो प्रहर ।
गर्जती जलराशि की उठती हुई ऊँची लहर ।
आग की भयदायिनी फैलो दिशाओं में लहर ।
ये कँपा सकते कभी, जिनके कलेजे को नहीं ।
भूलकर भी वे कभी, नाकाम रहते हैं नहीं ।

(i) जीवन में आने वाली विघ्न–बाधाओ से न घबराने का क्या परिणाम होता है ?

(ii) भाग्य के भरोसे रहने वालों को बुरे परिणाम भुगतने पड़ते हैं।

(iii) कर्मशील पुरुष पर्वतों और रेगिस्थान में क्या चमत्कार करते हैं ?

(iv) प्रस्तुत पंद्याश की भाषा कैसी है ?

(v) जंगलो में भी महामंगल पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

(vi) उपर्युक्त पद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए ।

खण्ड– ब

निम्नलिखित लघूत्तरात्मक प्रश्नों के उतर दीजिए– (शब्द सीमा 40 शब्द)

5. ''मैं, हाय किसी की याद लिए फिरता हूँ'' कवि के मन में किसकी याद है ? और इसका कवि पर क्या प्रभाव पड़ता है ? 2

6. ''भक्तिन वाक्पटुता में बहुत आगे थी'' पाठ के आधार पर उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए। 2

7. ''सिल्वर वैडिंग'' कहानी से क्या शिक्षा मिलती है ? 2

8. ''अकेलापन अथवा एकान्त मनुष्य को योग्य बनाता है'' जूझ पाठ के आधार पर सिद्ध कीजिए। 2

9. नेट–साउंड किसे कहते हैं? बताइए। 2

खण्ड – स

प्रश्न 10 से 13 के उत्तर 60 से 80 शब्दों में लिखिए तथा 14 एवं 15 के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखिए।

10. क्रान्ति में गर्जना का शोषक वर्ग पर क्या प्रभाव पड़ता है? उनका मुख ढांपना किस मानसिकता का द्योतक है? ''बादल राग'' के कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए । 3

अथवा

''कवि ने भ्रातृशोक में डूबे राम की दशा को उनकी नरलीला की अपेक्षा सच्ची मानवीय अनुभूति के रूप में रचा है।'' तर्क पूर्ण विचार लिखिए।

11. भगत जी बाजार को सार्थकता और समाज को शांति दे रहे हैं। ''बाजार दर्शन'' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए। 3

अथवा

द्विवेदी जी ने शिरीष के माध्यम से कोलाहल व संघर्ष से भरी जीवन–स्थितियों में अविचल रह कर जिजीविषु बने रहने की सीख दी है। निबन्ध के आधार पर कथन की विवेचना कीजिए।

12. ''जूझ प्रतिकूल परिस्थितियों के बीच संघर्ष की कहानी है कथन को सिद्ध कीजिए। 3

अथवा

सिंधु–सभ्यता ताकत से शासित होने की अपेक्षा समझ से अनुशासित सभ्यता थी, 'अतीत में दबे पांव' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

13. सिल्वर वैडिंग कहानी आधुनिक पारिवारिक मूल्यों के विघटन का यथार्थ चित्रण है। उदाहरण सहित कथन की विवेचना कीजिए 3

अथवा

''टूटे–फूटे खण्डहर सभ्यता और संस्कृति के इतिहास के साथ–साथ धड़कती जिन्दगियों के अनछुए समयों का भी दस्तावेज है''। ''अतीत से दबे पांव'' पाठ के आधार पर कथन की समीक्षा कीजिए ।

14. आजादी का अमृत महोत्सव विषय पर आलेख तैयार कीजिए। 3

अथवा

फीचर और आलेख में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

15. कवि रघुवीर सहाय का व्यक्तित्व एवं कृतित्व परिचय लिखिए। 4

RCScE राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद

अथवा

बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर का व्यक्तित्व एवं कृतित्व परिचय लिखिए।

खण्ड –द

16. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या लिखिए– **6**

अगर वे कभी गिरते हैं छतों के खतरनाक किनारों से

और बच जाते हैं तब तो

और भी निडर होकर सुनहले सूरज के सामने आते हैं।

पृथ्वी और भी तेज घूमती हुई आती है

उनके बेचैंन पैरों के पास।

अथवा

मैं यौवन का उन्माद लिए फिरता हूँ,

उन्मादों में अवसाद लिए फिरता हूँ

जो मुझ को बाहर हंसा, रुलाती भीतर,

मैं, हाय, किसी की याद लिए फिरता हूँ।

कर यत्न मिटे सब, सत्य किसी ने जाना

नादान वही है, हाय जहां पर दाना ।

फिर मूढ़ ना क्या जग, जो इस पर भी सीखें ?

मैं सीख रहा हूँ सीखा ज्ञान भूलाना ।

17. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या लिखिए – **6**

विजयी लुटटन कूदता फांदता ताल ठोकता सबसे पहले बाजे वाले की ओर दौड़ा और ढोलों को श्रद्धापूर्वक प्रणाम किया। फिर दौड़ कर उसने राजा साहब को गोद में उठा लिया। राजा साहब के कीमती कपड़े मिट्टी से सन गए। मैंनेजर साहब ने आपत्ति की हैं–हें.... अरे रे। किन्तु राजा साहब ने स्वयं उसे छाती से लगाकर गद्गद् होकर कहा जीते रहो बहादुर ! तुमने मिट्टी की लाज रख ली।

अथवा

यहाँ एक अन्तर चिन्ह लेना बहुत जरूरी हैं। मन खाली नही रहना चाहिए, इसका मतलब यह नहीं है कि वह मन बंद रहना चाहिए। जो बंद हो जाएगा, वह शुण्य हो जाएगा। शूण्य होने का अधिकार बस परमात्मा का है जो सनातन भाव से संपूर्ण है। शेष सब अपूर्ण है। इससे मन बंद नहीं रह सकता। सब इच्छाओ का निरोध कर लोगे, यह झूठ है और अगर इच्छानिरोधस्तपः का ऐसा ही नकारात्मक अर्थ हो तो वह तप झूठ है।

18. सचिव, राजस्थान पाठ्यपुस्तक मंडल की ओर से एक निविदा सूचना का प्रारूप तैयार कीजिए जिसमें फर्नीचर एवं स्टेशनरी क्रय करने का विवरण हो। 4

अथवा

नगर निगम जयपुर द्वारा कर्मचारियों के पारिश्रमिक में बढ़ोतरी के संबंध में एक प्रेस विज्ञप्ति तैयार कीजिए।

19. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर सारगर्भित निबन्ध लिखिए। (शब्द सीमा 300 शब्द) 5

(i) अनेकता में एकता – भारत की विशेषता ।

(ii) युवा पीढ़ी और देश का भविष्य।

(iii) कैशलेस अर्थव्यवस्था एक चुनौतिपूर्ण कदम।

(iv) मरुभूमि का जीवन धन – जल ।

30. मॉडल प्रश्न पत्र–दो

उच्च माध्यमिक परीक्षा 2024 (निर्धारित पाठ्यक्रमानुसार)

विषयः – हिन्दी अनिवार्य

समय – 3:15 घंटे **पूर्णांक – 80**

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें ।
2. सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर पुस्तिका में ही लिखें ।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खंड है, उन सभी के उत्तर एक साथ लिखें ।

खण्ड (अ)

1. **निम्नलिखित बहुचयनात्मक प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तरपुस्तिका में लिखिए–** **12**

(i) कवि उमाशंकर जोशी का जन्म कब हुआ ?

(अ) 1911 ई. (ब) 1905 ई. (स) 1917 ई. (द) 1929 ई.

(ii) रामचरितमानस किस भाषा में रचित है ?

(अ) ब्रज (ब) अवधी (स) खड़ी बोली (द) कन्नौधी

(iii) आधुनिक हिन्दी में ''मुक्त छन्द'' के प्रणेता कौन है ?

(अ) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' (ब) सुमित्रानन्दन पंत

(स) नागार्जुन (द) महादेवी वर्मा

(iv) 'पर्चेजिंग पावर' क्या है ?

(अ) विक्रय शक्ति (ब) क्रय शक्ति (स) बाजार घूमना (द) बाजार देखना

(v) रात्रि की भीषणता को कौन ललकारता था ?

(अ) राजा (ब) मैनेजर (स) पहलवान की ढोलक (द) कुत्ते

(vi) 'सिल्वर वैडिंग' कहानी में नई पीढ़ी का रवैया कैसा बताया है ?

(अ) संवेदनशील (ब) अंसवेदनशील (स) सहयोगात्मक (द) सहानुभूतिपूर्ण

(vii) सौंदलगैकर किस विषय के अध्यापक थे ?

(अ) अंग्रेजी के (ब) गणित के (स) मराठी के (द) संस्कृत के

(viii) नई वेब भाषा में HTML की फुल फॉर्म क्या है ?

(अ) हाइपर टेक्स्ट मॉडिफाई लैंग्वेज (ब) हायर टेक्स्ट मॉडिफाई लैंग्वेज

(स) हाइपर टेक्स्ट मार्क्डअप लैंग्वेज (द) हेकर टेक्स्ट मीड़िया लैंग्वेज

(ix) टेलीविजन खबरों के कुल कितने चरण होते हैं ?

(अ) 5 (ब) 6 (स) 7 (द) 8

(x) Decode (डिकोड़) शब्द का सही अर्थ है –

(अ) घोषणा पत्र (ब) मानदेय (स) कूटवाचन (द) विस्तार

(xi) 'व्यावसायिक' शब्द का अंग्रेजी मिंनिग होगा ?

(अ) Warrant (ब) Vocational (स) Security (द) Patron

(xii) शिरीष कहाँ से रस खींचता है ?

(अ) धरती से (ब) वायुमंडल से (स) धूप से (द) पाताल से

2. निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए– **6**

(i) ''रघुपति राघव राजा राम'' पंक्ति में .... अलंकार है।

(ii) ''कारण के अभाव होने पर भी कार्य सम्पन्न हो'' वहाँ .... अलंकार होता है।

(iii) भाषा का क्षेत्रीय रूप .... कहलाता है।

(iv) ''राजस्थान वीर है'' में .... शब्द शक्ति है।

(v) हिन्दी की बोलियों को .... भागों में बांटा गया है।

(vi) प्रयोजन या उद्देश्य की पूति हेतु .... शब्द शक्ति का प्रयोग किया जाता है।

3. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए – **6**

जो अनगढ़ है, जिसमें कोई आकृति नहीं, ऐसे पत्थरों से जीवन को आकृति प्रदान करना, उसमें कलात्मक संवेदना जगाना और प्राण–प्रतिष्ठा करना ही संस्कृति है। वस्तुतः संस्कृति उन गुणों का समुदाय है, जिन्हें अनेक प्रकार की शिक्षा द्वारा अपने प्रयत्न से मनुष्य प्राप्त करता है। संस्कृति का संबंध मुख्यतः मनुष्य की बुद्धि एवं स्वभाव आदि मनोवृतियों से संबंधित है और इन विशेषताओं का अनिवार्य संबंध जीवन के मूल्यों से होता है। ये विशेषताएँ या तो स्वयं में मूल्यवान होती है अथवा मूल्यों के उत्पादन का साधन। प्रायः व्यक्तित्व में विशेषताए साध्य एवं साधन दोनों ही रूपों में अर्थपूर्ण समझी जाती है। संस्कृति सामूहिक

उल्लास की कलात्मक अभिव्यक्ति है। संस्कृति व्यक्ति की नहीं, समष्टि की अभिव्यक्ति है। डा० संपूर्णनन्द ने कहा है। संस्कृति उस दृष्टिकोण को कहते हैं। जिसमें कोई समुदाय विशेष जीवन की समस्याओं पर दृष्टि निक्षेप करता है। संक्षेप में वह समुदाय की चेतना बनकर प्रकाशमान होती है।

यही चेतना प्राणों की प्रेरणा है और यही भावना प्रेम में प्रदीप्त हो उठती है। यह प्रेम संस्कृति का तेजस तत्व है, जो चारों ओर परिलक्षित होता है। प्रेम वह तत्व है, जो संस्कृति के केन्द्र में स्थित है। इसी प्रेम से श्रध्दा उत्पन्न होती है, समर्पण जन्म लेता है और जीवन भी सार्थक लगता है। **6**

(i) संस्कृति एक निष्प्राण पत्थर को किस प्रकार जीवंत बना सकती है ?

(ii) संस्कृति का संबंध मनुष्य की मनोवृत्तियों से क्यों है?

(iii) संस्कृति समष्टि की अभिव्यक्ति क्यों है

(iv) डॉ० संपूर्णानन्द ने संस्कृति को किस प्रकार का दृष्टिकोण कहा है ?

(v) संस्कृति का तेजस तत्व क्या है ?

(vi) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए ।

4. निम्नलिखित अपठित पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए। 6

जाति–धन, प्रिय नव–युवक समूह

विमल मानस के मंजु मराल।

देश के परम मनोरम रत्न,

ललित भारत– ललना के लाल।

लोक की लाखों आँखें आज,

लगी है तुम लोगों की ओर,

भरी उनमें है करुणा भूरि,

लालसामय है ललकित कोर।

उठो, लो आँखें अपनी खोल,

विलोको अवनितल का हाल,

अनालोकित में भर आलोक,

करो कमनीय कलंकित भाल।

भरे उर में जो अभिनव ओज।

सुना दो वह ध्वनित है सुन्दर झनकार,

ध्वनित हो जिससे मानस–यंत्र,

छेड़ दो उस तन्त्री के तार

रगों में बिजली जावें दौड

जगे भारत–भूतल का भाग,

प्रभावित धुन से हूँ भरपूर,

उमंग गाओ वह रोचक राग।

(i) जाति–धन प्रिय नवयुवक किनके लिए कहा गया है?

(ii) कवि ने नवयुवकों को कैसा राग गाने के लिए कहा है?

(iii) ''करो कमनीय कलंकित भाल'' से क्या आशय है ?

(iv) देश के नवयुवको को क्या प्रेरणा दी गई है ?

(v) कवि ने नवयुवकों को आँखें खोलने के लिए क्यों कहा है ?

(vi) उपर्युक्त पद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए ।

खण्ड–ब

निम्नलिखित लघूतरात्मक प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए ।

5. उल्टा पिरामिड़ शैली को समझाइए । 2

6. मुअनजो–दड़ों की सभ्यता को ''लो–प्रोफाइल सभ्यता'' क्यों कहा जाता है ? 2

7. ''जूझ में गँवई (ग्रामीण) जीवन के यथार्थ से जूझने का जीवंत चित्रण है'' इस कथन पर टिप्पणी लिखिए। 2

8. मेरा गुरु कोई पहलवान नहीं यहीं ढोल है लुट्टन ने ऐसा क्यों कहा होगा ? समझाइए । 2

9. रस की पुतली कौन है ? उसे ये संज्ञा क्यों दी गई है ? 2

खण्ड–स

प्रश्न 10 से 13 के उत्तर 60 से 80 शब्दों में लिखिए तथा 14 एवं 15 के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखिए।

10. कविता में कवि भाषा के विषय पर व्यंग्य करके क्या सिद्ध करना चाहते हैं? ''बात सीधी थी पर'' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए । 3

अथवा

खतरनाक परिस्थितियों का सामना कहने के बाद आप दुनियां की चुनौतियों के सामने स्वयं को कैसा महसूस करते हैं? ''पंतग'' कविता के आधार पर सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

RCScE राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद
स्कूल शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार

11. भक्तिन का अतीत परिवार और समाज की किन समस्याओं से जूझते हुए बीता है? संस्मरण के आधार पर स्पष्ट कीजिए। 3

अथवा

पहलवान की ढोलक कहानी में किस प्रकार पुरानी व्यवस्था और नई व्यवस्था के टकराव से उत्पन्न समस्या को व्यक्त किया गया है? समझाइए।

12. ''सिल्वर वैडिंग'' पीढ़ीयों के वैचारिक अन्तराल की कहानी है। उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। 3

अथवा

''जूझ'' कहानी आधुनिक युवक युवतियों को किन जीवन मूल्यों की प्रेरणा दे रही है? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

13. मुअनजो–दड़ों की नगर योजना आज की सेक्टर–मार्का कॉलोनियो के नीरस नियोजन की अपेक्षा ज्यादा रचनात्मक है अतीत में दबे पांव पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए। 3

अथवा

आज भी समाज में दत्ता जी राव जैसे व्यक्तित्व की आवश्यकता है वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए कथन की पुष्टि कीजिए ।

14. ''स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत'' विषय पर आलेख लिखिए। 3

अथवा

''जंक फूड़ की बढती घुसपैठ'' विषय पर फीचर लिखिए।

15. कुँवर नारायण **अथवा** धर्मवीर भारती का परिचय लिखिए। 4

खण्ड–द

16. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या लिखिए– 6

अंगना–अंग से लिपटे भी,

आतंक अंक पर कॉंप रहे हैं।

धनी, वज्र–गर्जन से बादल।

त्रस्त–नयन मुख ढॉंप रहे हैं।

जीर्ण बाहु है, शीर्ण शरीर,

तुझे बुलाता कृषक अधीर है

RCScE राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद
स्कूल शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार

ऐ विप्लव के वीर ।

चूस लिया है उसका सार,

हाड़—मात्र ही है आधार,

ऐं जीवन के पारावर ।

अथवा

कल्पना के रसायनों को पी

बीज गल गया निःशेष;

शब्द के अंकुर फुटे

पल्छव—पुष्पों से नमित हुआ विशेष ।

झूमने लगे फल

रस अलौकिक,

अमृत धाराए फूटती

रोपाई क्षण की,

कटाई अनन्तता की

लुटते रहने से जरा भी नहीं कम होती ।

17. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या लिखिए। 6

इस दंड—विधान के भीतर कोई ऐसी धारा नहीं थी, जिसके अनुसार खोटे सिक्को की टकसाल—जैसी पत्नी से पति को विरक्त किया जा सकता। सारी चुगली—चबाई की परिणत्ति, उसके पति प्रेम को बढ़ाकर ही होती थी। जिठानियाँ बात बात पर धमाधम पीटी—कूटी जाती, पर उसके पति ने उसे कभी उंगली भी नहीं छुआई। वह बड़े बाप की बड़ी बात वाली बेटी को पहचानता था।

अथवा

जाति—प्रथा के पोषक जीवन, शारीरिक —सुरक्षा तथा संपत्ति के अधिकार की स्वतंत्रता को तो स्वीकार कर लेंगे, परन्तु मनुष्य के सक्षम एवं प्रभावशाली प्रयोग की स्वतंत्रता देने के लिए जल्दी तैयार नहीं होंगे, परन्तु क्योंकि इस प्रकार कि स्वतंत्रता का अर्थ होगा अपना व्यवसाय चुनने की स्वतंत्रता किसी के पास नहीं है, तो उसका उसे दासता में जकड़कर रखना होगा, क्यों कि दासता केवल कानूनी पराधीनता को ही नहीं कहा जा सकता ।

18. मुख्य सचिव, राजस्थान सरकार शासन सचिवालय की ओर से सभी सरकारी विभागों के आदेश राजभाषा हिन्दी में प्रकाशित करने से सम्बन्धित अधिसूचना तैयार कीजिए। 4

अथवा

जिला कलेक्टर पाली की ओर रजिस्ट्रार रसद विभाग जयपुर को सरकारी राशन की दुकानों पर होने वाली अनियमिताओं के संबंध में उचित कार्यवाही का आग्रह करते हुए एक अर्द्धसरकारी पत्र लिखिए।

19. निम्नालिखित विषयों में से किसी एक विषय पर सारगर्भित निबन्ध लिखिए। (शब्द सीमा—300 शब्द) 5

(i) राजस्थान में पर्यटन

(ii) वर्तमान में कम्पयुटर शिक्षा की अनिवार्यता

(iii) योग स्वास्थ की कुंजी

(iv) डिजिटल इंडिया

टिप्पणी

।। सतत् अभ्यास से सुदृढ़ अधिगम की ओर बढ़े ।।

केवल कुछ प्रश्नों के आधार पर पढ़ाई करने से भविष्य उज्ज्वल नहीं होता है। अतः ज्ञान पर ध्यान केन्द्रित करें।

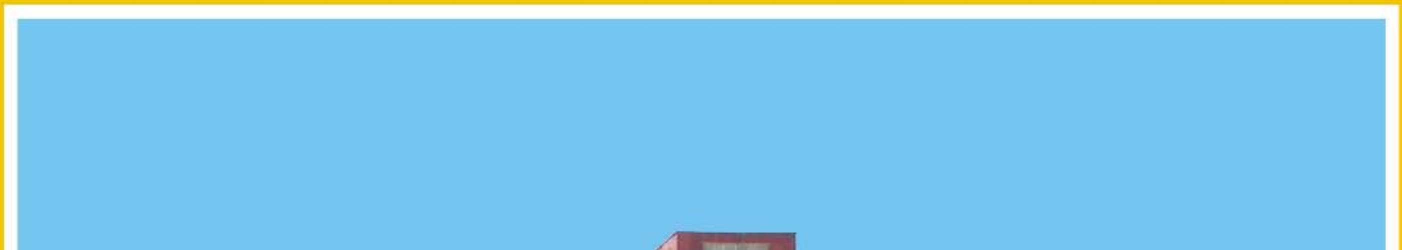

राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद्
द्वितीय एवं तृतीय तल, ब्लॉक-5, डॉ. राधाकृष्णन शिक्षा संकूल परिसर
जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर (राजस्थान)